RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com शुक्रवार , 24 जुलाई 2026 | वर्षः 04, अंकः 124 पृष्ठः 08, मूल्यः 2 रु. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सड़क पर उतरा विपक्षः ... छात्रों के समर्थन में राहुल गांधी की 'गांधीगिरी'

'छात्र सड़क पर हैं तो हम भी उनके साथ' :राहुल गांधी की बस यात्रा से गरमाई सियासत, गांधी स्मृति पहुंचा विपक्ष

नई दिल्ली/एजेंसी

नई दिल्ली से एक बड़ी राजनीतिक हलचल सामने आई है। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी अन्य विपक्षी सांसदों के साथ बस में सवार होकर गांधी स्मृति के लिए रवाना हुए। यह पूरा काफिला राहुल गांधी के सरकारी आवास से निकला। इस दौरान इंडिया गठबंधन के कई प्रमुख सांसद और वरिष्ठ नेता उनके साथ मौजूद रहे। सभी नेता एक साथ बस में बैठकर तीस जनवरी मार्ग स्थित गांधी स्मृति की ओर बढ़े। इस दौरान राहुल गांधी को आवास के बाहर कुछ देर तक रुकना भी पड़ा।

राहुल गांधी ने क्या-क्या कहा?

रवाना होने से पहले राहुल गांधी ने कहा, 'छात्र सड़कों पर हैं तो विपक्षी सांसदों को लगा कि हमें भी सड़क पर होना चाहिए। हम इंडिया गेट जाना चाहते थे। उन्होंने मना कर दिया फिर हमने कहा कि गांधी स्मृति जाना चाहते हैं तो इन्होंने यहां पर रोक दिया है। हम आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं लेकिन मुख्य संदेश छात्रों के लिए है। हम आपके साथ हैं।' हालांकि, राहुल गांधी की ओर से इतना कहते ही दिल्ली पुलिस ने रास्ता दे दिया।

राहुल गांधी ने बुलाई थी विपक्षी सांसदों की बैठक

बता दें कि राहुल गांधी ने गुरुवार को विपक्षी सांसदों की एक बड़ी बैठक बुलाई थी। इस दौरान योजना बनी और राहुल गांधी विपक्षी नेताओं के साथ गांधी स्मृति की ओर बढ़ने लगे। इसकी भनक जैसे ही दिल्ली पुलिस को लगी, तुरंत कांग्रेस नेता के घर के बार पहरा लगा दिया गया। कुछ देर तक हंगामे के बाद राहुल गांधी को बस में सवार होकर आगे बढ़ने दिया गया।

किस नेता ने क्या कहा?

राहुल गांधी के आवास पर कई नेता मौजूद रहे। इस दौरान आरजेडी सांसद संजय यादव ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में 152 पेपर लीक हुए हैं, और एक भी दोषी साबित नहीं हुआ।

एजुकेशन सिस्टम में कोई ट्रांसपेरेंसी नहीं हैः राहुल गांधी

एजुकेशन सिस्टम में कोई ट्रांसपेरेंसी नहीं है। वहीं, सीपीआईएम सांसद जॉन ब्रिटास ने कहा कि हम गांधी स्मृति के लिए निकल रहे हैं। हम वहां इसलिए जा रहे हैं क्योंकि यह सरकार स्टूडेंट्स पर कार्रवाई करने जा रही है। बता दें कि लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के घर के बाहर पुलिस बैरिकेड्स लगाए गए हैं। कांग्रेस नेता के घर के बाहर बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता पहुंचने लगे हैं। दिल्ली पुलिस का कहना है कि पूरे इलाके में बीएनएस की धार 163 लागू की गई है, एक जगह 5 लोगों से अधिक लोग शामिल नहीं हो सकते। विपक्षी नेताओं की इस साझा यात्रा का मुख्य उद्देश्य नीट परीक्षा घोटाले और पेपर लीक के मुद्दे पर अपना विरोध दर्ज कराना है। विपक्षी नेता हाल के दिनों में पेपर लीक की वजह से परेशान और निराश छात्रों के साथ एकजुटता दिखाने निकले हैं।

नीट परीक्षा के तनाव में अपनी जान गंवाने वाले छात्रों की याद में गांधी स्मृति में एक शांतिपूर्ण श्रद्धांजलि कार्यक्रम रखा गया।

पुलिस कार्रवाई में घायल हुए छात्रों और सड़कों पर आंदोलन कर रहे युवाओं की आवाज उठाने की बात कही गई।

विपक्ष की प्रमुख मांगें

नीट विवाद को लेकर विपक्ष लगातार केंद्र सरकार पर दबाव बना रहा है। विपक्ष की प्रमुख मांगें हैं-

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें।

नीट पेपर लीक मामले की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच हो।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की जवाबदेही तय की जाए।

दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए।

संसद के भीतर और बाहर इस मुद्दे पर सरकार से जवाब लिया जाए।

पेपरलीक और छात्रों के प्रदर्शन में लाठीचार्ज के खिलाफ राहुल

पेपरलीक और छात्रों के प्रदर्शन में लाठीचार्ज के खिलाफ राहुल गांधी ने विपक्ष के नेताओं के साथ गुरुवार शाम को उनके घर से गांधी स्मृति तक मार्च निकाला। उनके साथ शिवसेना (यूबीटी), (एसपी), टीएमसी, जेएमएम, राजद, लेफ्ट, समाजवादी पार्टी और आईयूएमएल के नेता भी शामिल रहे।

इस मौके पर राहुल ने कहा- पेपरलीक के चलते जिन छात्रों को खो दिया है, हम उन्हें याद कर रहे हैं। हमारे छात्र सड़कों पर हैं, इसलिए विपक्ष के सभी सांसदों को लगा कि हमें भी सड़कों पर उतरना चाहिए। मार्च के पहले राहुल के घर पर विपक्षी सांसदों ने बैठक की। पुलिस ने मार्च के पहले ही सुरक्षा व्यवस्था की तैयारी कर रखी थी। जगह-जगह बसें और बैरिकेड लगा रखे थे। जैसे ही मार्च शुरू हुआ, उनका रास्ता रोक दिया गया। हालांकि करीब 10 मिनट बाद रास्ता खोल दिया गया। इससे पहले 21 जुलाई को मल्लिकार्जुन खड़गे के जन्मदिन पर राहुल-प्रियंका समेत कांग्रेस नेताओं ने पीएम हाउस तक मार्च किया था। वहां 2 घंटे तक धरने पर बैठ रहे थे। यह मार्च भी बेहद सीक्रेट रखा गया था।

विपक्ष ने सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

आरजेडी सांसद संजय यादव ने कहा कि पिछले दस वर्षों में देशभर में 152 पेपर लीक हुए, लेकिन आज तक किसी बड़े आरोपी को सजा नहीं मिली। उनके मुताबिक शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता खत्म हो चुकी है और लाखों छात्रों का भविष्य दांव पर लगा हुआ है। वहीं, सीपीआई(एम) सांसद जॉन ब्रिटास ने कहा कि विपक्ष गांधी स्मृति इसलिए जा रहा है क्योंकि सरकार छात्रों की आवाज दबाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा छात्रों के साथ एकजुटता और लोकतांत्रिक विरोध का प्रतीक है।

क्यों निकाली गई यह बस यात्रा?

यह यात्रा सिर्फ एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि उन लाखों छात्रों के समर्थन का संदेश है जो नीट पेपर लीक और परीक्षा प्रणाली में कथित गड़बड़ियों से प्रभावित हुए हैं। गांधी स्मृति पहुंचकर नेताओं ने छात्रों के संघर्ष के प्रति एकजुटता जताने, परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता की मांग उठाने और छात्र आंदोलन के दौरान जान गंवाने वाले युवाओं को श्रद्धांजलि देने का संदेश दिया।

छात्रों के समर्थन में मौन हुए अन्ना हजारेः प्रधानमंत्री मोदी को चिट्ठी लिख जताया दुख

नई दिल्ली/एजेंसी

दिल्ली में छात्रों के विरोध प्रदर्शन को अब वरिष्ठ समाजसेवी अन्ना हजारे का भी समर्थन मिल गया है। बृहस्पतिवार को महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में अन्ना हजारे ने महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने करीब दो घंटे तक मौन आंदोलन किया। इस दौरान उन्होंने छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर चिंता जताई और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर पूरे मामले में हस्तक्षेप की अपील की।

दो घंटे का मौन आंदोलन, सरकार तक पहुंचाया संदेश

अन्ना हजारे का मौन प्रदर्शन सुबह 11 बजे शुरू हुआ और दोपहर एक बजे समाप्त हुआ। उन्होंने बिना भाषण दिए शांतिपूर्ण तरीके से अपना विरोध दर्ज कराया।

आंदोलन खत्म होने के बाद उन्होंने कहा कि देश के सर्वोच्च नेतृत्व तक जनता और छात्रों की पीड़ा पहुंचाना उनका कर्तव्य है। इसके बाद वह अपने गांव रालेगण सिद्धि लौट गए।

पीएम मोदी को लिखा पत्र

अन्ना हजारे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजे पत्र में दिल्ली में छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई को दुखद बताया। उन्होंने लिखा कि युवाओं का आक्रोश केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं है, बल्कि उनके भविष्य और व्यवस्था पर भरोसे से जुड़ा सवाल है।

राजमंत्री ने की विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा

अधिकारियों को विभागीय योजनाओं/कार्यक्रमों में प्रगति लाने के दिए निर्देश

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । राजमंत्री पशुधन एवं दुग्ध विकास,उत्तर प्रदेश श्रीमती कृष्णा पासवान ने आज मां शीतला अतिथि गृह,सयारा में विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा की।

राजमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं/कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी से कहा कि प्राथमिकता के आधार पर 70 वर्ष से अधिक आयु के लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाया जाए। उन्होंने अधीक्षण अभियंता,विद्युत से कहा कि खराब ट्रांसफार्मर को निर्धारित समय में बदलवा दिया जाए एवं निर्धारित समयावधि तक विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री आवास योजना की प्रगति की समीक्षा के दौरान कहा कि मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निराश्रित महिलाओं एवं दिव्यांगजनों को लाभान्वित किया जाए।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत विद्यालयों में छूटे हुए कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर करा लिया जाए।

राजमंत्री ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन कि समीक्षा के दौरान उपायुक्त,एन.आर.एल. एम. से कहा कि लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत समूह गठित कराकर महिलाओं को स्वयं सहायता समूह से जोड़ा जाए एवं अधिक से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी बनाया जाए। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया जाए, जिससे उनकी

आय में और वृद्धि हो सके। उन्होंने जिला पंचायतराज अधिकारी से कहा कि छूटे हुए सभी पात्र लोगों को व्यक्तिगत शौचालय से लाभान्वित किया जाए। उन्होंने कन्या सुमंगला योजना की समीक्षा के दौरान जिला प्रोबेशन अधिकारी से कहा कि लंबित आवेदनों का सत्यापन कराकर पात्र लोगों को लाभान्वित किया जाए।

राजमंत्री ने कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान उप कृषि निदेशक से कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मन निधि योजना के अंतर्गत छूटे हुए पात्र लोगों को लाभान्वित किया जाए एवं फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में प्रगति लाई जाए। जनपद में खाद की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखी जाए। उन्होंने जल जीवन मिशन के अंतर्गत कराए जा रहे कार्यों की प्रगति समीक्षा के दौरान अधिशासी अभियंता,जल निगम से कहा कि कार्यों में तेजी से प्रगति लाई जाए। उन्होंने अधिशासी अभियंता,सिंचाई को निर्देशित किया कि यह सुनिश्चित किया जाए कि नहरों में टेल तक पानी अवश्य पहुँचे, ताकि किसानों को सिंचाई के लिए परेशानी का सामना न करना पड़े।

उन्होंने अधिशासी अभियंता,नलकूप को अधीक्षण अभियंता, विद्युत से समन्वय कर विद्युत दोष के कारण बंद नलकूपों को क्रियाशील कराने के निर्देश दिए।

राजमंत्री ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को सहभागिता योजना के अंतर्गत गोवंशों की सुपुर्दगी में और प्रगति लाने के निर्देश देते हुए कहा कि विभागीय योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सके। उन्होंने निमार्णाधीन प्रयागराज एयरपोर्ट-कौशांबी फोरलेन के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा के दौरान अधिशासी अभियंता,लोनिवि को निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने जनपद की कानून व्यवस्था की समीक्षा के दौरान पुलिस अधीक्षक को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि पेंशन लाभार्थियों को परिवार रजिस्टर से मिलान कराया गया, जिसके अन्तर्गत छूटे हुए लगभग 09 हजार और पात्र लोगों को चिन्हित किया गया है, जिन्हें लाभान्वित किया जा रहा है।

चोरी की कंटेनर के साथ 2 अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। एसपी सत्यनारायण के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चालाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना कोखराज पुलिस टीम द्वारा कसिया में गस्त/चेकिंग की जा रही थी कि इसी दौरान मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि एक चोरी का कंटेनर 2 व्यक्ति खागा से प्रयागराज की तरफ लेकर आ रहे है । सूचना प्राप्त होने पर तत्काल थाना कोखराज पुलिस पुलिस टीम द्वारा ककोढ़ा मोड़ पर पहुंचकर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग शुरू की गयी इसी दौरान खागा की तरफ से आ रही कंटेनर ट्रक को रुकने का इशारा किया गया तो चालक कंटेनर ट्रक को सर्विस रोड की तरफ मोड़कर भागने लगा जिसे ओवरटेक करके रोक लिया गया जिसपर कटेंनर मे सवार दोनो व्यक्ति उतर कर भागने का कोशिस की गयी जिन्हे घेरकर पकड़ लिया गया । पकड़े गये व्यक्तियों से नाम पता पूछने पर मो0 अतीक पुत्र मो0 रईस निवासी वार्ड नं0 03 शान्ति नगर अझुआ थाना सैनी जनपद कौशाम्बी. सनी गौतम पुत्र सीताराम निवासी वार्ड नं0 03 शान्ति नगर अझुआ थाना सैनी जपनद कौशाम्बी बताया गया । अभियुक्तों के कब्जे से चोरी का कंटेनर ट्रक बरामद किया गया ।

गिरफ्तार अभियुक्तों से भागने का कारण व बरामद कंटेनर के बारे में कड़ाई से पूछताछ करने पर अभियुक्त मो0 अतीक द्वारा बताया गया कि एक कंटेनर लफ्6 9इ8434 जो मेरे नाम पर है, थाना अदलहाट जनपद मिजार्पुर में पिछले वर्ष जनवरी में पकड़ी गयी थी जो अभी भी उसी थाने पर खड़ी है । इलाहाबाद हटवा निवासी एक व्यक्ति ने चोरी का कंटेनर ट्रक लाकर मुझे दिया था जिसमे मैने व सनी ने मिलकर मेरे पकड़े गये ट्रक का नम्बर इस ट्रक में लगा दिया था साथ ही इसका चेचिस नम्बर भी खुरचकर दूसरा नम्बर छाप दिया है ।

24 घंटे में नकबजनी की घटना का खुलासा, तीन गिरफ्तार, नगदी स्कूटी मोबाइल बरामद

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर । बुधवार वादी हंशराज यादव पुत्र विजय करन निवासी ग्राम पुरइन थाना खागा जनपद फतेहपुर थाना खागा पर सूचना दी गयी थी कि दिनांक 21/22.07.26 की रात्रि अज्ञात चोरों द्वारा वादी की दुकान के शटर का ताला तोडकर नकदी चोरी कर ली गई व वादी की दुकान के सामने राजेन्द्र शास्त्री पुत्र दुर्गा प्रसाद शास्त्री निवासी ग्राम पुरइन थाना खागा जनपद फतेहपुर की दुकान का चोरी की नियत से ताला तोड दिया गया है ।

पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में व श्रीमान अपर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में एवं श्रीमान क्षेत्राधिकारी खागा के कुशल पर्यवेक्षण में थाना खागा पुलिस द्वारा गुरुवार को उपरोक्त अभियोग की विवेचनात्मक कार्यवाही, प्रभावी सुरागसी-पतारसी एवं मुखबिर खास की सूचना पर उक्त चोरी की घटना में संलिप्त तीन शातिर अभियुक्तगण संजीव चमार पुत्र स्व0 नाहर सिंह निवासी पटेलनगर थाना रामादेवी जनपद कानपुर नगर उम्र 19 वर्ष , राहुल गौतम पुत्र रमेश निवासी ग्राम भदवा थाना कोखराज जनपद कौशांबी उम्र 25 वर्ष , राहुल कुमार सरोज पुत्र दिनेश कुमार सरोज निवासी ग्राम गिरधरपुर थाना कोखराज जनपद कौशांबी उम्र 21 वर्ष को अकोढ़िया मोड़ के पास थाना खागा जनपद फतेहपुर से किया गया गिरफ्तार, अभियुक्तों के कब्जे से चोरी किए गए 1340/- रुपये एवं चोरी की घटना में प्रयोग किया गया एक सब्बल व एक स्कूटी बिना नम्बर प्लेट व जामा तलाशी से 02 मोबाइल बरामद किया गया ।

एसओजी पुलिस टीम द्वारा चोरी की बोलेरो के साथ 3 अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । 13 जुलाई को थाना कड़ाधाम पर वादी सत्यप्रकाश पाण्डेय पुत्र दयाशंकर पाण्डेय निवासी चरैया थाना पट्टी जनपद प्रतापगढ़ द्वारा सूचना दी गयी कि वे भाड़े की बोलेरो गाड़ी को लेकर गंगा स्नान व शीतला धाम मन्दिर दर्शन करने आये थे । हनुमान घाट बैरियर से आगे पानी टंकी के पास खड़ी उनकी बोलेरो गाड़ी सफेद रंग को अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर लिया गया है, काफी खोजबीन के बाद भी नहीं मिली । प्राप्त तहरीर के आधार पर तत्काल थाना स्थानीय पर मुकदमा पंजीकृत किया गया था । पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण द्वारा घटना की गम्भीरता के दृष्टिगत टीमों का गठन कर घटना के शीघ्र

अनावरण एवं अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु निर्देश दिये गये थे । गुरुवार को गठित टीमों द्वारा सीसीटीवी फुटेज, आसपास के लोगो से पूछताछ व सर्विलांस आदि की सहायता से घटना से सम्बन्धित प्रकाश में आये अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु लगातार दबिस दी जा रही थी । इसी दौरान मुखबिर खास द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि चोरी की बोलेरो को अभियुक्त प्रदीप मिश्रा नें इंजन नम्बर व चेचिस नम्बर टेम्पर कर नया फर्जी नम्बर बनवाकर उसे बेचने के लिये बक्सर ले जा रहा है । सूचना पर तत्काल पुलिस टीमों द्वारा बक्सर की तरफ रवाना होकर खोजबीन की जाने लगी इसी दौरान थाना नरही, जनपद बलिया क्षेत्रान्तर्गत उजियार गांव के पास सड़क किनारे संदिग्ध बोलेरो वाहन को घेरकर उसमें बैठे 03 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्तों का नाम पता पूछने पर जुर्म स्वीकार करते हुये प्रदीप कुमार मिश्रा पुत्र कृष्ण कुमार मिश्रा निवासी शिवनी का पुरवा मजरा देवरपट्टी थाना बाघराय जनपद प्रतापगढ़ . मोहम्मद शाहजहां खान पुत्र स्वर्गीय मुमताज खान निवासी तुर्कपुरवा थाना मुफ्फसिल जिला बक्सर बिहार. अनूप कुमार सिन्हा पुत्र स्वर्गीय रामाधार निवासी वार्ड नं0 04 इटाढ़ी थाना इटाढ़ी जिला बक्सर बिहार बताया गया । अभियुक्तों के कब्जे से चोरी की 01 बोलेरो गाड़ी बरामद किया गया।

डीएम एसपी ने हेलीपैड, पार्किंग स्थल एवं अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर सुरक्षा एवं तैयारियों का जायजा लिया

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर । जनपद फतेहपुर में आगामी प्रस्तावित अति विशिष्ट अतिथि के भ्रमण कार्यक्रम के दृष्टिगत जिलाधिकारी फतेहपुर श्रीमती निधि गुप्ता वत्स एवं पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक द्वारा कार्यक्रम स्थल, हेलीपैड, पार्किंग स्थल एवं अन्य व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा एवं तैयारियों का विस्तृत जायजा लिया गया।

निरीक्षण के दौरान कार्यक्रम स्थल, हेलीपैड, पार्किंग स्थल, आगमन एवं निर्गमन मार्गों, वीआईपी मूवमेंट, बैरिकेडिंग, ड्यूटी प्वाइंट, यातायात प्रबंधन तथा सुरक्षा व्यवस्था के विभिन्न बिंदुओं का गहन निरीक्षण किया गया। इस दौरान संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कार्यक्रम के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित संचालन हेतु सभी सुरक्षा प्रबंधों को और अधिक प्रभावी, सुदृढ़ एवं चाक-चौबंद बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर पुलिस एवं प्रशासन के अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित कर तैयारियों की समीक्षा

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर । गुरुवार को गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट, फतेहपुर में जिलाधिकारी श्रीमती निधि गुप्ता वत्स एवं पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक द्वारा जनपद फतेहपुर में आगामी प्रस्तावित अति विशिष्ट अतिथि के भ्रमण कार्यक्रम के दृष्टिगत संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित कर तैयारियों की समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान भ्रमण कार्यक्रम की सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, कानून-व्यवस्था, रूट चार्ट, ड्यूटी व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए निर्धारित दायित्वों का समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से निर्वहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, जिससे कार्यक्रम सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जा सके।

छात्रों के ऊपर हुए लाठी चार्ज के विरोध में धर्मेंद्र प्रधान का पुतला फूंकने जा रहे कांग्रेसियों से पुलिस ने छीना पुतला

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। दिल्ली जंतर पर 154 से ज्यादा पेपर लीक के मुद्दे को लेकर प्रदर्शन कर छात्रों के ऊपर हुए लाठी चार्ज व आंसु गैस से उन्हें गंभीर रूप से घायल किया जिसके विरोध में चरवा में आज जिलाध्यक्ष कांग्रेस गौरव पाण्डेय के नेतृत्व में कई कांग्रेस पदाधिकारियों ने नाराजगी जाहिर किया इस दौरान जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय से पुलिस कर्मियों के बीच तीखी नोक झोंक हुई और जमकर झड़प हुई तत्पश्चात पुलिस ने कांग्रेसियों से पुतला छीन लिया इसके बाद गौरव पाण्डेय ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार अब छात्रों के ऊपर लाठी

चार्ज कर रही है वो छात्र जो देश का भविष्य है उन्हें मारा जा रहा है हमारे नेता राहुल गांधी प्रियंका गांधी अजय राय सहित कई नेता जो छात्र हित के लिए पीएम हाउस के बाहर पे बैठे थे उनके साथ भी अभद्रता की गई हम इस चीज को कत्तई बर्दाश्त नहीं करेंगे । आज हमने लीक मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला फूंका और इनके इस्तीफे की मांग करते है क्योंकि हम छात्र और नौजवान के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होने देंगे।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष कौशलेश द्विवेदी,उदय यादव,जिला महासचिव सुरेन्द्र शुक्ला,जिला सचिव हेमन्त रावत,रमेश यादव,सोसल मीडिया जिलाध्यक्ष सचिन पाण्डेय,नगर अध्यक्ष मंझनपुर संगीता कोरी,ब्लाक अध्यक्ष नेवादा रावेंद्र यादव,ब्लाक अध्यक्ष मंझनपुर प्रदीप सिंह पटेल,ब्लाक अध्यक्ष मूरतगंज राजबहादुर पासी,आलोक यादव, व्यापार मंडल अध्यक्ष कैलाश केसरवानी,राकेश पाल,विकास पाल,रमेश आर्या,रोहित पाण्डेय,आयुष यादव,प्रदीप कुमार, श्रवण यादव,मनीष यादव,दीपक कुशवाहा,मनोहर यादव,हिमांशु केसरवानी सहित तमाम कार्यकर्ता व आमजन मौजूद रहें।

डीएम को ज्ञापन देकर अमोनियम सल्फेट पर रोक लगाने की मांग

संजीव विश्वकर्मा
सबसे तेज प्रयागराज
बिजनौर, भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाध्यक्ष नितिन सिरोही के नेतृत्व में जिलाधिकारी जसजीत कौर को ज्ञापन सौंपकर जनपद बिजनौर में किसानों को भ्रामक तरीके से बेचे जा रहे अमोनियम सल्फेट उर्वरक पर तत्काल रोक लगाने तथा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की।

ज्ञापन में बताया गया कि कृषि विभाग, उर्वरक अनुभाग, लखनऊ द्वारा निजी क्षेत्र में आपूर्ति हेतु लवपफ्छ को एनपीके उर्वरक का आवंटन किया गया था। किंतु किसानों ने शिकायत की है कि निजी दुकानों पर बड़े अक्षरों में "ठढङ" तथा छोटे अक्षरों में "अमोनियम सल्फेट" लिखकर उर्वरक बेचा जा रहा है। इससे किसान भ्रमित होकर इसे एनपीके उर्वरक समझकर खरीद रहे हैं।

भाकियू (अराजनैतिक) ने कहा कि इस प्रकार की पैकेजिंग उत्पाद की वास्तविक पहचान छिपाने तथा किसानों को भ्रमित करने का प्रयास है, जो उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 की भावना एवं प्रावधानों का उल्लंघन है। कृषि निदेशालय, उत्तर प्रदेश द्वारा जारी पत्रांक 1873 दिनांक 21.09.2016 एवं 1483 दिनांक 15.12.2021 में भी स्पष्ट किया गया है कि भ्रामक नाम, पैकेजिंग अथवा प्रस्तुतीकरण के माध्यम से उर्वरकों का विक्रय दंडनीय अपराध है तथा ऐसे मामलों में उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए।

ज्ञापन में कहा गया कि अधिकांश किसान बैग पर बड़े अक्षरों में लिखे नाम और सरकारी व्यवस्था पर भरोसा कर उर्वरक खरीदते हैं तथा छोटे अक्षरों में लिखे तकनीकी विवरण को पढ़ नहीं पाते। ऐसे में किसान स्वाभाविक रूप से इसे एनपीके उर्वरक समझ लेते हैं, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान होने के साथ-साथ फसल उत्पादन भी प्रभावित हो सकता है। संगठन ने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे वनस्पति घी को शुद्ध देसी घी बताकर नहीं बेचा जा सकता, उसी प्रकार अमोनियम सल्फेट को एनपीके का आभास देकर बेचना भी अनुचित एवं भ्रामक है।

संगठन ने विशेष चिंता जताई कि इस प्रकार की आपूर्ति मुख्य रूप से गन्ना उत्पादक क्षेत्रों में की जा रही है। गन्ने की फसल के लिए नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और पोटाश तीनों प्रमुख पोषक तत्व आवश्यक होते हैं, जबकि अमोनियम सल्फेट केवल नाइट्रोजन एवं सल्फर का स्रोत है। यदि किसान इसे एनपीके समझकर प्रयोग करेंगे तो फसल में फॉस्फोरस एवं पोटाश की कमी हो सकती है, जिससे उत्पादन, गुणवत्ता तथा किसानों की आय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) ने स्पष्ट किया कि संगठन को अमोनियम सल्फेट उर्वरक के उसकी वास्तविक पहचान के साथ विक्रय पर कोई आपत्ति नहीं है। आपत्ति केवल इस बात पर है कि यदि किसी उर्वरक को उसकी वास्तविक पहचान छिपाकर अथवा एनपीके का आभास उत्पन्न कर बेचा जा रहा है, तो यह किसानों के साथ छल, कृषि उत्पादन के साथ खिलवाड़ तथा नियामकीय व्यवस्था की अवमानना है। संगठन ने जिलाधिकारी से मांग की कि जनपद में लवपफ्छ के एनपीके नाम से भ्रामक तरीके से बेचे जा रहे अमोनियम सल्फेट की बिक्री पर तत्काल रोक लगाई जाए तथा संबंधित विक्रेताओं एवं जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के अंतर्गत विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

ज्ञापन सौंपने वालों में जिलाध्यक्ष नितिन सिरोही, प्रदेश उपाध्यक्ष अतुल बालियान, जिला मीडिया प्रभारी देवानंद भुइयार, संजीव अहलावत, कपिल सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संदीपन घाट, पुलिस द्वारा 2 गुमशुदा बालको को 24 घण्टे के अंदर बरामद

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी द्वारा गुमशुदा के सम्बन्ध मे चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे व अपर पुलिस अधीक्षक व क्षेत्राधिकारी चायल के कुशल निर्देशन में थानाध्यक्ष संदीपनघाट आशुतोष कुमार सिंह के कुशल पर्यवेक्षण के क्रम मे थाना संदीपनघाट पर पंजीकृत मुकदमा से सम्बन्धित गुमशुदा बच्चो सनी उम्र करीब 10 वर्ष, पुमित उम्र लगभग 9 वर्ष पुत्रगण प्रमोद निवासीगण कुरई थाना संदीपनघाट जनपद कौशाम्बी को अन्दर 24 घण्टे मे थाना संदीपनघाट पुलिस द्वारा सकुशल बरामद कर लिया गया है।

निवासीगण कुरई थाना संदीपनघाट जनपद कौशाम्बी के सम्बन्ध मे दिनांक 22.07.2026 को वादिनी मुकदमा चांदनी देवी पत्नी प्रमोद नि० ग्राम कुरई थाना संदीपनघाट जनपद कौशाम्बी के द्वारा थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 168/2026 धारा 137(2) बीएनएस पंजीकृत कराया गया था जिसपर पुलिस द्वारा तत्परता दिखाते हुये उक्त बच्चो की पतारसी व सुरागरसी करते हुये उक्त दोनो बालको को पुलिस द्वारा 24 घण्टे के अन्दर बरामदगी कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

कारगिल शहीद दिवस पर इन्दिरा पार्क के बाहर रक्खी जाएगी शहीद स्तंभ की आधार शिलान्यास

सबसे तेज प्रयागराज
बिजनौर, नगर पालिका परिषद बिजनौर आगामी 26 जुलाई को कारगिल दिवस के ऐतिहासिक अवसर पर एक भव्य शहीद स्तंभ की सौगात देने जा रही है। इस दिन पालिका प्रशासन द्वारा शहीद स्तंभ का भूमि पूजन और शिलान्यास किया जाएगा। शिलान्यास कार्यक्रम के लिए पालिका और जिला प्रशासन ने संयुक्त रूप से बैराज रोड स्थित इंदिरा पार्क के बाहर स्थल का चयन कर लिया है।

शहीद स्तंभ के निर्माण के लिए चिन्हित किए गए इस स्थल की पुष्टि जिला प्रशासन द्वारा भी कर दी गई है। इस संबंध में जिलाधिकारी श्रीमती जसजीत कौर और

एडीएम प्रशासन अंशिका दीक्षित ने स्वयं मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और पालिका द्वारा चुने गए स्थल को अंतिम रूप देते हुए अपनी सहमति जताई।नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष श्रीमती इंदिरा सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि 26 जुलाई को देश कारगिल दिवस मनाता है। इस गौरवशाली दिन को यादगार बनाने के लिए पालिका प्रशासन ने बिजनौर में एक भव्य शहीद स्तंभ स्थापित करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इसके लिए बैराज रोड पर स्थित इंदिरा पार्क के बाहर खाली स्थान को सबसे उपयुक्त पाया गया है।

स्थल चयन और निरीक्षण के इस महत्वपूर्ण अवसर पर प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ कई गणमान्य लोग भी मौजूद रहे। सैनिकों की ओर से अभिनव सिंह ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। वहीं पालिका प्रशासन की ओर से अवर अभियंता (जलकल) गौरव शर्मा,अवर अभियंता सिविल यशवंत सिंह और सफाई निरीक्षक गोविंद चौधरी मौजूद रहे।

चंद्रशेखर आजाद जयंती देशभक्ति के उत्साह के साथ मनाई गई

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। एसएवी इंटर कॉलेज में आज महान स्वतंत्रता सेनानी एवं अमर क्रांतिकारी शहीद चंद्रशेखर आजाद की जयंती देशभक्ति, श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को चंद्रशेखर आजाद के साहस, त्याग, राष्ट्रप्रेम और देशभक्ति के आदर्शों से प्रेरित करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ चंद्रशेखर आजाद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उनके जीवन, व्यक्तित्व तथा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में उनके अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत भाषण, कविताएँ एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ देकर महान क्रांतिकारी के प्रति अपनी श्रद्धा एवं सम्मान व्यक्त किया।

कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के प्रधानाचार्य के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। अपने प्रेरणादायी संबोधन में उन्होंने विद्यार्थियों से चंद्रशेखर आजाद के अनुशासन, साहस, आत्मबलिदान और राष्ट्रसेवा के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। समन्वयक (कोऑर्डिनेटर) ने विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को सदैव स्मरण रखना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

विद्यालय के समस्त शिक्षकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग प्रदान किया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित किया तथा सभी गतिविधियों का सफल संचालन सुनिश्चित किया। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और जोश के साथ कार्यक्रम में भाग लेकर इस अवसर को यादगार बना दिया।

कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यालय ने पुनः यह संकल्प दोहराया कि वह विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति, सामाजिक उत्तरदायित्व और उत्कृष्ट नागरिकता के मूल्यों का निरंतर विकास करता रहेगा।

पुलिस मुठभेड़ में गौकशी के दो आरोपी गिरफ्तार, दो तमंचे व चोरी की बाइक बरामद

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। जनपद में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना हथगांव पुलिस ने गौकशी के एक मामले में प्रकाश में आए दो आरोपियों को पुलिस मुठभेड़ के बाद घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से दो अवैध तमंचे, कारतूस, गौकशी में प्रयुक्त उपकरण, प्लास्टिक तिरपाल, एक जूट का बोरा तथा एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है।

पुलिस अधीक्षक फतेहपुर के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी थरियांव के नेतृत्व में थाना हथगांव पुलिस ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार 18 जुलाई 2026 को थाना क्षेत्र के ग्राम अमिलियापाल के पास नहर पुलिया के निकट गोवंश के कटे हुए अवशेष मिलने की सूचना मिली थी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने पशु चिकित्साधिकारी की मौजूदगी में आवश्यक कार्रवाई कराते हुए अज्ञात लोगों के विरुद्ध थाना हथगांव में मुकदमा संख्या 139/2026, धारा 3/5/8 उत्तर प्रदेश गोवध निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था।

विवेचना और मुखबिर की सूचना के आधार पर गुरुवार को पुलिस टीम अम्बापुर मोड़ पर संदिग्धों की तलाश में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मोटरसाइकिल से आ रहे दो संदिग्ध पुलिस को देखकर भागने लगे। पीछा करने पर आदर्श पब्लिक स्कूल के

आगे कच्चे रास्ते में पानी भरे गड्ढे के कारण उनकी मोटरसाइकिल गिर गई। पुलिस का आरोप है कि दोनों आरोपियों ने गिरफ्तारी से बचने के लिए पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस द्वारा की गई जवाबी फायरिंग में शमीम के बाएं पैर तथा आफताब आलम के दाएं पैर में गोली लग गई, जिसके बाद दोनों को घायल अवस्था में गिरफ्तार कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हथगांव में भर्ती कराया गया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शमीम (28) पुत्र स्वर्गीय नफीस निवासी रज्जीपुर छिवलहा थाना हथगांव तथा आफताब आलम (35) पुत्र स्वर्गीय अमीर अहमद निवासी पीरनपुर थाना कोतवाली नगर, फतेहपुर के रूप में हुई है। घटनास्थल का निरीक्षण क्षेत्राधिकारी थरियांव एवं फॉरेंसिक टीम ने किया। पुलिस ने इस संबंध में थाना हथगांव में मुकदमा संख्या 142/2026, धारा 109 बीएनएस एवं 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत भी मामला दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार पूछताछ में दोनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे अपने अन्य साथियों चिम्मन उर्फ नसीम और इमरान पुत्र मुकीम के साथ मिलकर गौकशी का कार्य करते थे। आरोपियों ने बताया कि 17/18 जुलाई की रात अमिलियापाल मार्ग स्थित नहर के पास दो गाय और एक बछड़े का वध किया था। उन्होंने यह भी बताया कि पुलिस या अन्य लोगों से बचने के लिए वे अपने पास अवैध तमंचे रखते थे।

बरामद बिना नंबर की मोटरसाइकिल के संबंध में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि उसे हथगांव कस्बे में आयोजित मेले के बाहर से चोरी किया गया था, जिसका उपयोग गौकशी और मांस की ढुलाई में किया जाता था।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो अवैध तमंचे (315 बोर), दो जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस, तीन लोहे के चापड़, एक लकड़ी का ठीहा, दो प्लास्टिक तिरपाल, एक जूट का बोरा तथा एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है।

मण्डलायुक्त ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की सीएम डैशबोर्ड तथा विकास कार्यों की मंडलीय समीक्षा

बच्चों का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करें-मण्डलायुक्त

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। मण्डलायुक्त श्रीमती सौम्या अग्रवाल ने गुरूवार को त्रिवेणी सभागार में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सीएम डैशबोर्ड तथा अन्य विकास कार्यों के प्रगति की मंडलीय समीक्षा की। बैठक में मण्डलायुक्त ने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को संचालित योजनाओं में लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित किए जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने हिदायत दी है कि जिस भी विभाग की प्रगति लक्ष्य के सापेक्ष कम पायी जायेगी, ऐसे सम्बंधित अधिकारियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

मण्डलायुक्त ने राजस्व कार्यों के अन्तर्गत अंश निर्धारण की समीक्षा करते हुए कार्यों में तेजी लाए जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को अपने स्तर से तहसीलवार नियमित रूप से अंश निर्धारण के कार्यों की समीक्षा करने के निर्देश दिए है। उन्होंने नाम संशोधन से सम्बंधित कार्य की समीक्षा करते हुए लम्बित आवेदन पत्रों को शीघ्रता से निस्तारण कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने इसका नियमित रूप से अनुश्रवण करते रहने के भी निर्देश दिए है। मण्डलायुक्त ने मुख्यमंत्री कम्पोजिट विद्यालयों के निर्माण कर्य के प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्यदायी संस्थाओं को कार्य में तेजी लाए जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए।

बैठक में पशुपालन विभाग की समीक्षा करते हुए मण्डलायुक्त ने निमार्णाधीन वृहद गौशालाओं, कान्हा गौशालाओं के निर्माण कार्यों में जहां पर निर्माण की प्रगति धीमी है, उसमें तेजी लाए जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने प्रयागराज के उरूवा, प्रतापगढ़ के बिगौसी, फतेहपुर के बहुवा में बन रहे वृहद गौशाला के निर्माण कार्य की प्रगति धीमी पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्यदायी संस्थाओं को कार्य में तेजी लाते हुए कार्य को शीघ्रता से पूर्ण कराये जाने का निर्देश दिया है। इसी तरह से पशुचिकित्सालयों के निर्माण कार्य के प्रगति की समीक्षा में प्रयागराज में बरौत, कौशाम्बी में बैरागीपुर, प्रतापगढ़ में कोहड़ौ?, फतेहपुर में अमौली के निर्माण कार्य को गुणवत्ता के साथ शीघ्रता से पूर्ण कराये जाने के लिए कहा है। कहा कि जहां पर भी कुछ छोटे-मोटे कार्य रह गये हो, उनको शीघ्रता से पूर्ण कराते हुए हैण्डओवर की कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। मण्डलायुक्त ने बरसात के दृष्टिगत सभी गौशालाओं में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था बनाये रखने तथा कहीं पर भी जल-जमाव न होने देने के लिए निर्देशित किया है। कहा कि गौशालाओं में भूसा-चारा, हरा चारा, पीने के पानी, प्रकाश, इत्यादि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित रहे। उन्होंने गौवंशों का टीकाकरण भी कराये जाने के लिए कहा है।

मण्डलायुक्त ने राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के निर्माण कार्य की समीक्षा करते हुए प्रयागराज में कोरांव, कौशाम्बी में सिराथू, प्रतापगढ़ में बिहार, में निमार्णाधीन औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के निर्माण कार्य को गुणवत्ता के साथ तेजी से पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिए है। सेतु निगम के कार्यों की समीक्षा करते हुए मण्डलायुक्त ने मण्डल के सभी जनपदों में बन रहे सेतुओं के निर्माण कार्य को गुणवत्ता के साथ समय से पूर्ण कराये जाने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए मण्डलायुक्त ने लक्ष्य के सापेक्ष जनपद प्रयागराज एवं कौशाम्बी में पंजीकरण की प्रगति धीमी पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए इसमें तेजी लाए जाने का निर्देश दिया है साथ ही साथ उन्होंने मण्डल के सभी जनपदों में मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत स्वीकृति सुनिश्चित करने के लिए कहा।

मण्डलायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए जननी सुरक्षा योजना के तहत शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित किए जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि प्राइवेट अस्पतालों में हो रहे प्रसव की भी रिपोर्टिंग अनिवार्य रूप से प्राप्त हो। उन्होंने जननी सुरक्षा योजना के तहत लाभार्थियों को मिलने वाले इंसेंटिव का शत-प्रतिशत भुगतान सुनिश्चित किए जाने के लिए कहा। मण्डलायुक्त ने एएनसी रजिस्टेज्शन की फीडिंग ई-कवच पोर्टल पर अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने के लिए कहा, जिससे कि स्वास्थ्य सम्बंधी योजनाओं के प्रगति का ठीक ढंग से अनुश्रवण हो सके। स्वास्थ्य सम्बंधी योजनाओं के क्रियान्वयन में जनपद प्रतापगढ़ की प्रगति खराब पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को चेतावनी देते हुए योजनाओं के क्रियान्वयन में शत-प्रतिशत प्रगति लाए जाने का निर्देश दिया है। मण्डलायुक्त ने कहा कि स्वास्थ्य सम्बंधी योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता क्षम्य नहीं है। उन्होंने सभी मुख्य चिकित्साधिकारियों को लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित किए जाने का निर्देश दिया है। मण्डलायुक्त ने सभी मुख्य चिकित्साधिकारियों को मैटरेंटी डेथ का अनिवार्य रूप से ऑडिट कराये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने हाइपरटेंशन तथा शुगर जांच के कार्य की समीक्षा करते हुए लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत जांच सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिए है। टीकाकरण की समीक्षा करते हुए मण्डलायुक्त ने बच्चों का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित किए जाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि हेपेटाइटिस बी का बर्थ डोज सभी बच्चों को अनिवार्य रूप से लगाया जाये।

विधायक ने फिर की जनसुनवाई, समस्याओं के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। फूलपुर विधानसभा से भारतीय जनता पार्टी के विधायक दीपक पटेल ने एक बार फिर अपने आवास पर जनता दरबार लगाकर जनसुनवाई की। इस दौरान फूलपुर विधानसभा सहित अन्य क्षेत्र के कोने-कोने से पहुंचे लोगों ने बिजली, सड़क, पानी, आवास और राजस्व से जुड़ी अपनी-अपनी समस्याएं विधायक के सामने रखीं। विधायक दीपक पटेल ने सभी फरियादियों की शिकायतों को ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित अधिकारियों को मौके से ही फोन कर त्वरित व समयबद्ध निस्तारण के कड़े निर्देश दिए तथा 07 लोगों की समस्या का मौके पर ही निस्तारण कराया उन्होंने कहा कि जनता की सेवा करना और उनकी समस्याओं का समाधान कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है, जिसके लिए आवास पर जनसुनवाई का यह सिलसिला लगातार जारी रहेगा। विधायक मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी ने बताया कि विधायक दीपक पटेल प्रतिदिन अपने आवास पर जनसुनवाई करते हैं कोई भी अपनी समस्या समाधान के लिए यहां आ सकता है इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला महामंत्री भाजपा गंगापार मनोज निषाद,पार्षद अरुण मिश्रा पिंटू नेता, लक्ष्मीकांत मिश्रा काका, विनय तिवारी, भूपेन्द्र पांडेय सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

इफको फूलपुर में जलसंचयन को लेकर जागरूकता गोष्ठी का आयोजन

उत्तर प्रदेश सरकार के 'भूजल सप्ताह' के अंतर्गत इफको फूलपुर में जल संरक्षण का दिया गया संदेश

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा घोषित 'भूजल सप्ताह' के अंतर्गत इफको फूलपुर इकाई में जल संरक्षण एवं भूजल संवर्धन के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ जल संरक्षण के संकल्प के साथ हुआ। इस अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भूजल संरक्षण, वर्षा जल संचयन तथा जल के विवेकपूर्ण उपयोग के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। सभी उपस्थितजनों ने जल की प्रत्येक बूंद का सदुपयोग करने तथा भूजल स्तर को सुरक्षित रखने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर इफको फूलपुर इकाई के वरिष्ठ महाप्रबंधक श्री पी. के. सिंह, प्रमुख (अनुरक्षण) श्री पी. के. पटेल, महाप्रबंधक श्री रत्नेश कुमार,अनिल कुमार गुप्ता, संयुक्त महाप्रबंधक श्री संतोष कुमार सिंह, श्री आर पी यादव, श्री संजय कुमार, श्री संदीप गोयल, एवं श्री आशीष कुमार प्रमुख (कार्मिक एवं प्रशासन) श्री शंभू शेखर, विभागाध्यक्षगण, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि जल संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने सभी कर्मचारियों से अपने कार्यस्थल एवं घरों में जल के विवेकपूर्ण उपयोग, वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने तथा जल संरक्षण के प्रति समाज को जागरूक करने का आह्वान किया।

इफको फूलपुर पर्यावरण संरक्षण एवं प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग के प्रति निरंतर प्रतिबद्ध है। इकाई में वर्षा जल संचयन, जल पुनर्चक्रण तथा जल उपयोग दक्षता बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रभावी उपाय अपनाए जा रहे हैं। ऐसे कार्यक्रम कर्मचारियों एवं समाज में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने जल संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने तथा भावी पीढ़ियों के लिए भूजल संसाधनों के संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया।

सिकंदरा में छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में कांग्रेस का पैदल मार्च, पुलिस ने रोका; सरकार के खिलाफ नारेबाजी

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। दिल्ली के जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुए कथित लाठीचार्ज तथा कांग्रेस नेताओं के साथ पुलिस की कार्रवाई के विरोध में शुक्रवार को सिकंदरा चौराहे पर कांग्रेस कार्यकताओं ने पैदल मार्च निकाला। पुलिस द्वारा मार्च को रोकने पर कार्यकताओं और पुलिस के बीच हल्की नोकझोंक हुई, जिसके बाद प्रदर्शनकारियों ने केंद्र और प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

पदयात्रा का नेतृत्व कर रहे गंगापार कांग्रेस के जिलाध्यक्ष अशफाक अहमद ने सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस छात्र, किसान और मजदूरों के अधिकारों की लड़ाई लगातार लड़ती रहेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनहित के मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए दमनात्मक कार्रवाई कर रही है।

महासचिव पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश एवं फाफामऊ विधानसभा प्रभारी मंजू मौर्य ने कहा कि छात्रों के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और शिक्षा मंत्री से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने जुलूस को आगे बढ़ने से रोक दिया, जिसके बाद कार्यकताओं ने वहीं धरना देकर विरोध जताया और सरकार विरोधी नारे लगाए। कार्यक्रम में विधानसभा प्रभारी निशा सिंह, जिला महासचिव सुनील पाण्डेय, समशुल कमर, अफजाल अहमद, डॉ. अमर सिंह पटेल, सद्दाम हुसैन सिद्दीकी, मासूम अहमद, मोहम्मद यासिर, रितेश पासी, रमेश मौर्य, मोहम्मद अकरम, आबिद हुसैन, मोहम्मद वसीम, मोहम्मद फारूक, सुरेश पटेल, इन्द्रजीत पटेल, श्यामजी धुरिया, मोहम्मद मुजीब, नन्हें भाई, संगीता पटेल, फोटो देवी, सुषमा पाल, सीता देवी, प्रभावती, सुभावती, प्रेमा देवी, शिव प्रसाद मौर्य, हरिभान सिंह सिंगरौर, लकी सरोज, गुलाब पटेल, हर्ष पटेल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

हत्या के मामले में फरार 25 मुकदमों का आरोपी गिरफ्तार

जॉर्जटाउन पुलिस ने विद्यावाहिनी बस स्टैंड के पास से दबोचा, हत्या समेत कई संगीन मामलों में दर्ज हैं मुकदमे

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। जॉर्जटाउन पुलिस ने हत्या के मामले में फरार चल रहे वांछित आरोपी सुधीर भारतीय (30) को बृहस्पतिवार को विद्यावाहिनी बस स्टैंड के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी सोरांव के सेवईत गांव का रहने वाला है और पिछले कुछ समय से अल्लापुर के पुरा दलेल इलाके में छिपकर रह रहा था। पुलिस के अनुसार, सुधीर भारतीय के खिलाफ जॉर्जटाउन थाने में वर्ष 2025 में हत्या, साक्ष्य छिपाने समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज है। जांच में सामने आया कि उसके खिलाफ प्रयागराज के अलग-अलग थानों में हत्या, हत्या का प्रयास, लूट, चोरी, धोखाधड़ी, आर्म्स एक्ट, गैंगस्टर एक्ट और एनडीपीएस एक्ट सहित कुल 25 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

कार्यवाहक जॉर्जटाउन थाना प्रभारी बब्बन राम ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर जिला न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

फूलपुर थाने में कावड़ यात्रा को लेकर पीस कमेटी की बैठक आयोजित

पारंपरिक ढंग से शांतिपूर्ण तरीके से निकाले कावड़ यात्रा

मौजी लाल रावत

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। सावन मास में भगवान शिव के मंदिरों में गंगाजल लेकर जल अविषेक करने के लिए कावड़ यात्रा निकाली जाती है। कावड़ यात्रा को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने को लेकर बुधवार को दोपहर में फूलपुर थाना परिसर में थानाप्रभारी शेषनाथ पाल की अध्यक्षता में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। जिसमे कस्बा सहित विभिन्न गांवों के ग्राम प्रधान वा समरंथ नागरिकों सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक को संबोधित करते हुए। थानाप्रभारी फूलपुर शेषनाथ पाल ने कहा की कावड़ यात्रा हिन्दू धर्म की पारंपरिक वा

धार्मिक महत्वपूर्ण यात्रा है। जिसमे बिना किसी मतभेद के सभी धर्म के लोगो के सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा की शासन की मनसा है की। कावड़ यात्री डीजे बैंड बाजे को अधिक आवाज में ना बजाए और पारंपरिक ढंग से अपने इस महत्वपूर्ण तेवहार को मनाए। जहां भी पुलिस प्रशासन के सहयोग की आवश्कता हो। सभी जनप्रतिनिधि पुलिस प्रशासन का सहयोग ले सकते है। यदि कही पर विवाद की सम्भावना हो तो जनप्रतिनिधि उक्त विवादित अस्थान चिन्हित करा दे। श्री पाल ने कहा की राष्ट्रीय राजमार्गो सहित जिस भी मार्ग से कावड़ यात्री निकलते हो। उक्त मार्गो पर मांस मछली आदि की दुकानें शासन के द्वारा सावन मांस तक प्रतिबंधित की गई है। यदि उक्त मार्गो पर मांस मछली मुर्गा की दुकानें खुले में पाई गई। तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर ग्राम प्रधान धर्मपाल बिंद, कमलेश पटेल , कमलेश यादव , रोहित केशरी , लक्ष्मीकांत मिश्रा उर्फ (काका), बबलू, बलवंत मौर्य , अनिल मौर्य , सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

सराय इनायत पुलिस ने चार शातिर चोरों को दबोचा, 22 लाख के सोने-चांदी के आभूषण बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। गंगानगर कमिश्नरेट की थाना सरायइनायत पुलिस और एसओजी/सर्विलांस सेल की संयुक्त टीम ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए चोरी के एक मामले में फरार चल रहे चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से करीब 22 लाख रुपये मूल्य के 281.5 ग्राम सोने एवं 2935 ग्राम चांदी के आभूषण तथा आभूषण बेचकर प्राप्त 13,300 रुपये नकद बरामद किए हैं।

पुलिस आयुक्त एवं अपर पुलिस आयुक्त के निर्देश तथा पुलिस उपायुक्त गंगानगर, अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर और सहायक पुलिस आयुक्त थरवई के नेतृत्व में चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान प्रीतम सिंह, सुरेंद्र सिंह, ओमपाल सिंह उर्फ लादू (सभी निवासी शाहजहांपुर) तथा ब्रजेश कुमार सोनी (निवासी बाराबंकी) के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, गत 9 जुलाई को सरायइनायत थाना क्षेत्र के रिठैया बाजार निवासी एक व्यापारी की अंदावा स्थित आभूषण की दुकान का शटर तोड़कर अज्ञात चोरों ने सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए थे। इस मामले में थाना सरायइनायत पर मुकदमा दर्ज कर घटना के खुलासे के लिए पुलिस की विशेष टीम गठित की गई थी।

जांच के दौरान पुलिस ने बुधवार को रिंग रोड रेलवे अंडरपास के पास चारों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वे सुनसान क्षेत्रों में स्थित ज्वैलरी की दुकानों और बंद मकानों के ताले व शटर तोड़कर चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। चोरी के आभूषणों को वे बाराबंकी निवासी सर्राफ ब्रजेश कुमार सोनी को बाजार मूल्य से काफी कम कीमत पर बेच देते थे।

पुलिस के अनुसार, बरामद आभूषणों का संबंध सरायइनायत के अलावा होलागढ़ और हंडिया थाना क्षेत्रों में दर्ज चोरी के मामलों से भी जुड़ा हुआ है। आरोपित चोरी के माल का हिसाब-किताब करने के लिए रिंग रोड रेलवे अंडरपास के पास एकत्र हुए थे, तभी पुलिस ने उन्हें दबोच लिया।

गिरफ्तार करने वाली टीम में

चौकी प्रभारी हनुमानगंज दिनेश कुमार सिंह,एसओजी प्रभारी सुखचैन तिवारी समेत कई पुलिसकर्मी शामिल रहें।

सीडीओ की अध्यक्षता में बाल श्रम उन्मूलन हेतु गठित समिति की बैठक संपन्न

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । डीएम मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को संगम सभागार में बाल श्रम उन्मूलन हेतु गठित जिला स्तरीय टास्क फोर्स, जिला श्रम बन्धु समिति, जिला स्तरीय बंधुआ श्रम सतर्कता समिति तथा उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड (UPBOCW) द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में सहायक श्रम आयुक्त डॉ. संजय कुमार लाल द्वारा उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड (BOCW) की योजनाओं, बाल श्रम उन्मूलन, बंधुआ श्रम उन्मूलन, लेबर सेस, ई-श्रम, फैमिली आईडी, जीरो पॉवर्टी अभियान, प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना, राष्ट्रीय पेंशन योजना (ट्रेडर्स) तथा डॉ. भीमराव आंबेडकर श्रमिक सुविधा केंद्र (लेबर अड्डा) योजना

सहित विभिन्न श्रम कल्याण योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई।

मुख्य विकास अधिकारी ने बाल श्रम उन्मूलन हेतु श्रम प्रवर्तन अधिकारियों के द्वारा निरीक्षण में लापरवाही बरतने तथा कम संख्या में निरीक्षण किए जाने पर नाराजगी व्यक्त की और एक सप्ताह तक व्यापक स्तर पर निरीक्षण अभियान चलाने तथा प्रत्येक श्रम प्रवर्तन अधिकारी को कम से कम 3 निरीक्षण प्रतिदिन करने के निर्देश दिए हैं उन्होंने प्रत्येक दिन के निरीक्षण की रिपोर्ट मुख्य विकास अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं उन्होंने लापरवाही बरतने पर वेतन भी रोके जाने की चेतावनी दी है उन्होंने निरीक्षण अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने तथा बाल श्रमिकों को सीडब्लूसी में पेश करने के लिए कहा है । उन्होंने सभी कार्यदायी संस्थाओं द्वारा लेबर सेस की शत-प्रतिशत वसूली सुनिश्चित करने तथा इडउह के अंतर्गत अधिकाधिक निर्माण श्रमिकों का पंजीयन एवं उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने डीसी मनरेगा के साथ समन्वय कर श्रमिकों का रजिस्ट्रेशन कराने के निर्देश दिए हैं

बैठक में प्लेटफॉर्म एवं गिग वर्कर्स जैसे Uber, Ola, Swiggy, Zomato, Blinkit एवं अन्य ऑनलाइन सेवा प्रदाता श्रमिकों का विशेष अभियान चलाकर शिविरों के माध्यम से पंजीयन कराने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त सभी विकास खंडों में चौपाल एवं विशेष कैंप आयोजित कर श्रम विभाग की योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर भी जोर दिया गया।

डीसीपी गंगानगर ने कावड़ यात्रा तैयारी को लेकर यातायात व्यवस्था किए निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत द्वारा आगामी श्रावण मास कॉवड़ यात्रा को सुरक्षित/साकुशल सम्पन्न कराए जाने के दृष्टिगत जोन गंगानगर क्षेत्रांतर्गत यातायात व्यवस्था सुदृढ़ रखने हेतु प्रयागराज-जौनपुर राजमार्ग का निरीक्षण कर कावड़ यात्रियों के आवागमन के मुख्य मार्ग में पड़ने वाले प्रमुख मंदिरों की व्यवस्था, कावड़ यात्रियों की सुरक्षा हेतु किए गए प्रबंध, कावड़ यात्रियों के आश्रय स्थल तथा विश्राम स्थल, बैरीकेटिंग व फोर्स डिप्लॉयमेंट का भी अवलोकन किया गया ।

निरीक्षण के दौरान संबंधित स्थानों पर ड्यूटी में तैनात पुलिस कर्मियों को यातायात सुगमता, सुरक्षा व्यवस्था एवं श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। गंगानगर कमिश्नरेट के नवाबगंज थाना पुलिस ने दुष्कर्म एवं पॉक्सो एक्ट के एक मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को गुरुवार को थाना क्षेत्र के ग्राम अमृक्ष लालपुर पूरेघासी से पकड़कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान दीपक कुमार (19 वर्ष) पुत्र मुन्ना लाल, निवासी ग्राम अमृक्ष लालपुर पूरेघासी, थाना नवाबगंज, कमिश्नरेट प्रयागराज के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ थाना नवाबगंज में मु.अ.सं. 274/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 65(1), 351(3) तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 3/4 में मुकदमा दर्ज है।

पुलिस के मुताबिक, पीड़िता की मां की तहरीर पर आरोप है कि आरोपी ने उसकी नाबालिग पुत्री के साथ दुष्कर्म किया तथा शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी थी। इसी आधार पर थाना नवाबगंज में मुकदमा पंजीकृत किया गया था।

यह गिरफ्तारी पुलिस आयुक्त एवं अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन, पुलिस उपायुक्त एवं अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के पर्यवेक्षण तथा सहायक पुलिस आयुक्त सोरांव के नेतृत्व में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। गिरफ्तारी करने वाली टीम में निरीक्षक जगदीश कुशवाहा, उपनिरीक्षक भीष्म नारायण सिंह, उपनिरीक्षक रामअचल सिंह, हेड कांस्टेबल बीरेन्द्र नाथ यादव, कांस्टेबल शीलेश कुमार तथा कांस्टेबल अभिषेक कुमार शामिल रहे।

50 हजार का इनामी शराब तस्कर पंजाब से दबोचा

ट्रकों में सामान की आड़ में यूपी-बिहार समेत कई राज्यों में करता था अवैध शराब की सप्लाई

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने अंतरराज्यीय शराब तस्करी गिरोह के 50 हजार रुपये के इनामी आरोपी मनवीर सिंह उर्फ मन्नू को पंजाब के मोहाली से गिरफ्तार कर लिया। वह वर्ष 2023 से नवाबगंज थाने में दर्ज अवैध शराब तस्करी के मुकदमे में फरार चल रहा था।

एसटीएफ के मुताबिक हरियाणा के हिसार निवासी मनवीर सिंह अपने साथियों के साथ ट्रकों में अंडे, पशु चारा, प्लास्टिक स्क्रैप समेत अन्य सामान की आड़ में अवैध शराब की खेप उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड सहित कई राज्यों में भेजता था। आरोपी पहले भी जेल जा चुका है और उसके खिलाफ प्रयागराज, कौशांबी, कानपुर, सुल्तानपुर तथा अमेठी में शराब तस्करी समेत विभिन्न मामलों के मुकदमे दर्ज हैं।

एसटीएफ ने आरोपी को मोहाली से गिरफ्तार कर ट्रांजिट कार्रवाई पूरी की। इसके बाद उसे प्रयागराज लाकर नवाबगंज पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों और नेटवर्क की जानकारी जुटाने में लगी है।

सुबेदारगंज पुल के नीचे अधेड़ का शव मिलने से सनसनी

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। धूमनगंज थाना क्षेत्र के सुबेदारगंज पुल के नीचे बृहस्पतिवार शाम एक अधेड़ का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पहचान कराई। मृतक की पहचान करेली निवासी मोहम्मद वकील (53) के रूप में हुई।

पुलिस के मुताबिक, मोहम्मद वकील किसी काम से घर से निकले थे। शाम करीब चार बजे उनका शव सुबेदारगंज पुल के नीचे पड़ा मिला। राहगीरों की सूचना पर धूमनगंज पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

धूमनगंज थाना प्रभारी धनंजय पांडेय ने बताया कि परिजनों के अनुसार मोहम्मद वकील लंबे समय से गंभीर बीमारी से ग्रसित थे। हालांकि पुलिस अन्य सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

संपादकीय

चंद्रशेखर आजाद – भारत का वह पुत्र, जिसने सिर झुकना सीखा ही नहीं

कभी-कभी इतिहास राजाओं के मुकुट से नहीं, एक साधारण युवक की भींची हुई मुट्ठी से बदलता है। साम्राज्य हमेशा तोपों से नहीं टूटते, वे अडिग संकल्प के सामने भी ढह जाते हैं। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में ऐसा ही एक संकल्प जन्मा था– चंद्रशेखर आजाद। उन्होंने केवल अंग्रेजी सत्ता को चुनौती नहीं दी, बल्कि भारतीयों के मन में जड़ जमा चुके भय और मानसिक गुलामी पर भी प्रहार किया। वे जानते थे कि जिस दिन भारतीय का भय टूट जाएगा, उसी दिन साम्राज्यवाद की नींव भी हिल जाएगी। इसलिए उनका संघर्ष केवल हथियारों का नहीं, बल्कि आत्मसम्मान, स्वाभिमान और राष्ट्रीय चेतना के जागरण का था।

23 जुलाई 1906 को तत्कालीन अलिराजपुर रियासत (वर्तमान मध्यप्रदेश) के भाबरा गांव में जन्मा वह बालक किसी राजमहल का वारिस नहीं था। न उसके पास धन था, न सत्ता, न सेना; पर उसके भीतर ऐसा स्वाभिमान था, जो किसी भी साम्राज्य से विशाल था। इतिहास साक्षी है कि जब किसी राष्ट्र की मिट्टी ऐसे सपूतों को जन्म देती है, तब गुलामी की उम्र सिमटने लगती है। जलियांवाला बाग का रक्तपात केवल निर्दोषों की हत्या नहीं था, बल्कि उस एक पूरी पीढ़ी के हृदय में प्रतिकार की ज्वाला बनकर धधक उठा। उसी ज्वाला ने चंद्रशेखर के मन में ऐसा अटूट संकल्प जगाया, जिसे कोई शक्ति डिगा न सकी। उन्होंने समझ लिया था कि अन्याय अपने आप समाप्त नहीं होता; उसे साहस, त्याग और मृत्यु से भी बड़े संकल्प से परास्त करना पड़ता है। किशोर अवस्था में 1921 में जब उन्हें अंग्रेजी अदालत में पेश किया गया और नाम पूछा गया, तो उन्होंने कहा – झआजादझ। पिता का नाम झस्वतंत्रताझ और गांव का नाम झजेलझ बताया। यह उत्तर केवल परिचय नहीं, बल्कि दासता के चेहरे पर करारा प्रहार और पूरे राष्ट्र के स्वाभिमान की उद्घोषणा था। अदालत में खड़ा वह किशोर अभियुक्त नहीं, स्वतंत्र भारत के आत्मविश्वास का प्रतीक था। उनका जीवन सिद्ध करता है कि क्रांति केवल हथियार उठाने से नहीं, भय को पराजित करने से जन्म लेती है। जिस मनुष्य के भीतर भय समाप्त हो जाए, उसे संसार की कोई शक्ति झुका नहीं सकती। यही कारण था कि अंग्रेजी शासन उनके शरीर को तो घेर सका, पर उनके अदम्य आत्मबल को कभी बंदी नहीं बना सका।

चंद्रशेखर आजाद ने अपने साथियों को केवल संगठन नहीं, अटूट विश्वास दिया। उन्होंने सिखाया कि राष्ट्र का निर्माण नारों से नहीं, त्याग और समर्पण से होता है। उन्होंने अपने लिए कभी घर नहीं बसाया, क्योंकि पूरा भारत ही उनका घर था। उन्होंने अपने भविष्य से अधिक राष्ट्र के भविष्य को चुना। उनका सबसे बड़ा शस्त्र उनका चरित्र था। वे जानते थे कि अनुशासन के बिना संघर्ष सफल नहीं होता, नैतिकता के बिना क्रांति टिकती नहीं और संगठन के बिना बलिदान इतिहास नहीं रचता। इसलिए उनका जीवन अनुशासन, त्याग और राष्ट्रसमर्पण का पर्याय बन गया। उनका प्रत्येक क्षण राष्ट्र की अमानत था।

आज जब हम स्वतंत्र भारत में सांस लेते हैं, तब यह प्रश्न हमें स्वयं से पूछना चाहिए–क्या हम वास्तव में उतने ही स्वतंत्र हैं, जितना हमारे पूर्वज हमें बनाना चाहते थे? यदि समाज भ्रष्टाचार से समझौता कर ले, यदि युवा सुविधा को संघर्ष से बड़ा मानने लगे, यदि राष्ट्रहित से पहले स्वार्थ खड़ा हो जाए, तो क्या केवल राजनीतिक स्वतंत्रता पर्याप्त है? चंद्रशेखर आजाद आज भी इसी प्रश्न का उत्तर बनकर हमारे सामने खड़े हैं। उनका जीवन कहता है कि पराधीनता केवल विदेशी शासन नहीं होती। जब चरित्र बिकने लगे, जब सत्य डरने लगे, जब अन्याय देखकर भी समाज मौन रहे, तब समझ लेना चाहिए कि स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ अभी अधूरा है।

आज के युवाओं को चंद्रशेखर आजाद से हथियार नहीं, साहस; विद्रोह नहीं, अनुशासन; और अन्याय के सामने अडिग रहने का चरित्र सीखना चाहिए। राष्ट्र केवल सीमाओं की रक्षा से नहीं, बल्कि कर्तव्यनिष्ठ नागरिकों से महान बनता है। 27 फरवरी 1931 को इलाहाबाद के अल्फ्रेड पार्क (अब आजाद पार्क) में चारों ओर से घिर जाने पर भी उन्होंने आत्मसमर्पण नहीं किया। यह केवल एक क्रांतिकारी का अंतिम निर्णय नहीं, बल्कि उनकी प्रतिज्ञा का अंतिम निर्वाह था। उन्होंने प्राण त्याग दिए, पर विदेशी सत्ता के सामने कभी नहीं झुके। उनका शरीर गिरा, पर उनका स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति अमर हो गया।

राम मंदिर विवाद की आंच के बीच बीजेपी का 2027 मिशन, बूथ से चुनावी शंखनाद

अजय कुमार

अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे से जुड़े विवाद ने उत्तर प्रदेश की राजनीति का तापमान बढ़ा रखा है। विपक्ष इस मुद्दे पर सरकार और बीजेपी को घेरने की तैयारी में है, जांच की दिशा और पारदर्शिता को लेकर सवाल उठ रहे हैं और मामला अब अदालत तक पहुंच चुका है। सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई 27 जुलाई को होनी है, जबकि राज्य सरकार ने मामले की जांच के लिए नई विशेष जांच टीम गठित करने का फैसला किया है। राजनीतिक रूप से यह विवाद बीजेपी के लिए असहज स्थिति पैदा कर सकता है। लेकिन पार्टी ने इस पूरे माहौल का जवाब किसी नए राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से देने के बजाय अपना ध्यान सीधे संगठन पर केंद्रित करने का फैसला किया है। बीजेपी अब राम मंदिर चढ़ावा विवाद की राजनीतिक गर्मी से आगे निकलकर 2027 के विधानसभा चुनाव की असली जमीन तैयार करने में जुट गई है। 22 जुलाई को उत्तर प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों में एक साथ बूथ अध्यक्ष सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। यह तारीख इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि पहली बार इतने बड़े स्तर पर पार्टी अपने बूथ नेटवर्क को एक साथ परखने जा रही है। बीजेपी के पास उत्तर प्रदेश में करीब 1.62 लाख बूथ अध्यक्ष हैं। इन्हीं बूथों को पार्टी अपनी चुनावी मशीनरी की सबसे निचली, लेकिन सबसे निर्णायक इकाई मानती है। सम्मेलन में केवल भाषण नहीं होंगे, बल्कि बूथ अध्यक्षों की मौजूदगी, उनके कामकाज और चुनावी तैयारियों का वास्तविक परीक्षण किया जाएगा। यानी 22 जुलाई को बीजेपी अपने कार्यकर्ताओं की भीड़ नहीं जुटा रही है, बल्कि अपने संगठन की जमीनी हालत का हिसाब लेने जा रही है। पार्टी ने बूथ अध्यक्षों को उनके बूथ नंबर के हिसाब से बैठाने की व्यवस्था की है। कुर्सियों पर नाम की जगह बूथ नंबर दर्ज होगा। मंच से किसी भी बूथ अध्यक्ष को अचानक बुलाया जा सकता है और उससे उसके बूथ से जुड़े सवाल पूछे जा सकते हैं। पार्टी यह जानना चाहती है कि जिस व्यक्ति के हाथ में बूथ की जिम्मेदारी है, क्या वह वास्तव में अपने इलाके के मतदाताओं, कार्यकर्ताओं और चुनावी समीकरण से परिचित है? यह सवाल इसलिए भी अहम है क्योंकि उत्तर प्रदेश में 2027 का चुनाव अभी दूर है, लेकिन बीजेपी की तैयारी चुनावी साल के इंतजार पर निर्भर नहीं रहना चाहती। पार्टी की रणनीति साफ है पहले बूथ को मजबूत करो, फिर विधानसभा क्षेत्र की चुनावी रणनीति तैयार करो। जहां बूथ अध्यक्ष सक्रिय हैं, वहां संगठन को और मजबूत किया जाएगा। जहां निष्क्रियता या कमजोरी मिलेगी, वहां सुधार, जिम्मेदारी में बदलाव या नए कार्यकर्ताओं को आगे लाने पर विचार किया जा सकता है।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के हालिया उत्तर प्रदेश दौरे के बाद पार्टी के इस संगठनात्मक अभियान को और गति मिली है। जुलाई की शुरुआत में लखनऊ में पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच नबीन ने राम मंदिर चढ़ावे के विवाद को लेकर विपक्ष पर हमला बोला था। उन्होंने कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और अन्य विपक्षी दलों पर धार्मिक आस्था से जुड़े मुद्दे पर राजनीति करने का आरोप लगाया।

दूसरी ओर, अखिलेश यादव ने नितिन नबीन के उत्तर प्रदेश दौरे को लेकर राजनीतिक तंज किया।

राहुल-अखिलेश की गुप्त बैठक में 2027 का खेल तय

अजय कुमार

संसद का मॉनसून सत्र शुरू हुआ, सदन में हंगामा हुआ, विपक्ष ने सरकार को घेरने की कोशिश की, लेकिन असली राजनीतिक कहानी सदन के भीतर नहीं बल्कि संसद भवन के एक बंद कमरे में लिखी जा रही थी। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी की करीब घंटे भर की मुलाकात ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में अचानक हलचल पैदा कर दी है। आधिकारिक तौर पर इसे सामान्य मुलाकात बताया जा रहा है, लेकिन राजनीति में समय, जगह और साथ मौजूद चेहरों का अपना अर्थ होता है। और इस मुलाकात का अर्थ साफ है 2027 का चुनाव अब दूर नहीं रहा और कांग्रेस-सपा गठबंधन के भीतर युद्ध की तैयारी शुरू हो चुकी है।अखिलेश यादव से जब मुलाकात पर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि सदन स्थगित होने पर लोग स्वाभाविक रूप से मिलते हैं। जवाब बेहद सामान्य था, लेकिन मुलाकात की पृष्ठभूमि बिल्कुल सामान्य नहीं थी। सदन में पेपर लीक और अयोध्या से जुड़े चढ़ावे के विवाद पर हंगामा हुआ। समाजवादी पार्टी के कई सांसद छात्रों के प्रदर्शन में शामिल होने चले गए। इसी दौरान अखिलेश यादव और अयोध्या के सांसद अवधेश प्रसाद राहुल गांधी के कमरे की तरफ पहुंचे। अवधेश प्रसाद बैठक में शामिल नहीं हुए, लेकिन बाद में उनका यह कहना कि कई बातें रणनीति का हिस्सा होती हैं और उन्हें सार्वजनिक करना ठीक नहीं, इस मुलाकात के रहस्य को और गहरा कर गया।सवाल यह है कि बंद कमरे में आखिर ऐसी कौन-सी रणनीति पर चर्चा हुई, जिसे बाहर बताने से दोनों दल बच रहे हैं? सबसे पहला मुद्दा निश्चित तौर पर गठबंधन के भीतर बढ़ती बयानबाजी का रहा होगा। 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश ने भाजपा को बड़ा झटका दिया। 80 सीटों वाले राज्य में समाजवादी पार्टी ने 37 और कांग्रेस ने 6 सीटें जीतीं। दोनों दलों की संयुक्त संख्या 43 रही। यही आंकड़ा अब कांग्रेस और सपा के बीच ताकत की रस्साकशी का आधार बन गया है।कांग्रेस कहती है कि राहुल गांधी के नेतृत्व, संविधान और सामाजिक न्याय के मुद्दे ने विपक्ष को नई ताकत दी। समाजवादी पार्टी कहती है कि उत्तर प्रदेश की जमीन पर संगठन उसका था, बूथ उसका था और सामाजिक समीकरण उसका था। यानी जीत का श्रेय लेने की लड़ाई अब सिर्फ अतीत की बहस नहीं रही। यह सीधे 2027 के टिकट और सीटों के बंटवारे से जुड़ चुकी है।

सहारनपुर के कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने जब 2024 की सफलता का बड़ा श्रेय राहुल गांधी को दिया तो समाजवादी पार्टी के नेताओं का पारा चढ़ गया। सपा नेताओं ने कांग्रेस को उसके पुराने चुनावी प्रदर्शन की याद दिलाई और कहा कि उत्तर प्रदेश में अकेले लड़ने पर कांग्रेस की स्थिति क्या रही है, यह किसी से छिपा नहीं है। कांग्रेस की तरफ से जवाब आया कि राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी राजनीति को राहुल गांधी ने मजबूती दी। अब सवाल यह है कि राहुल गांधी और अखिलेश यादव अपने नेताओं को रोकेंगे या नहीं।क्योंकि गठबंधन की सबसे बड़ी दुश्मनी विपक्षी दल नहीं, बल्कि गठबंधन के भीतर चल रही सार्वजनिक बयानबाजी बनती जा रही है। एक नेता कहता है कि जीत हमारी वजह से हुई, दूसरा कहता है कि तुम्हारी जमीन पर कोई संगठन नहीं है। ऐसे बयान कार्यकर्ताओं के बीच अविश्वास पैदा करते हैं। इसलिए संभव है कि बैठक में राहुल और अखिलेश ने एक-दूसरे से साफ कहा हो अपने नेताओं को संभालिए, वरना 2027 की लड़ाई शुरू होने से पहले ही गठबंधन कमजोर हो जाएगा।लेकिन असली विस्फोटक मुद्दा सीट बंटवारा है। कांग्रेस के भीतर से उत्तर प्रदेश में ज्यादा सीटों की मांग उठ रही है। तर्क यह है कि कांग्रेस राष्ट्रीय पार्टी है और उसे गठबंधन में बराबर सम्मान मिलना चाहिए। समाजवादी पार्टी का जवाब सीधा है सम्मान सिर्फ पार्टी के नाम से नहीं, जमीन पर ताकत से मिलता है। 2024 के लोकसभा चुनाव में जब सपा ने कांग्रेस से कई गुना ज्यादा सीटें जीतीं, तब 2027 में बराबरी की मांग किस आधार पर होगी?यही वह सवाल है जो दोनों दलों के रिश्ते में सबसे बड़ा तनाव पैदा कर सकता है। कांग्रेस अगर अभी से सीटों की मांग को सार्वजनिक अभियान बना देती है तो अखिलेश यादव के लिए उसे स्वीकार करना मुश्किल होगा। सपा जानती है कि उत्तर प्रदेश में उसका संगठन कांग्रेस से कहीं बड़ा है।

कांग्रेस भी जानती है कि बिना सपा के उसका प्रभाव सीमित है। यानी दोनों को एक-दूसरे की जरूरत है, लेकिन दोनों एक-दूसरे पर निर्भर दिखना नहीं चाहते।

यही कारण है कि राहुल-अखिलेश की मुलाकात में शायद एक बात पर सहमति बनाने की कोशिश हुई होगी सीट बंटवारे पर सार्वजनिक बयानबाजी बंद। वरना चुनाव से पहले ही कांग्रेस और सपा के कार्यकर्ता एक-दूसरे के खिलाफ खड़े हो जाएंगे। गठबंधन का गणित बंद कमरे में तय होगा, मंचों पर नहीं।इसके बाद आता है अखिलेश यादव का सबसे बड़ा राजनीतिक हथियार पीडीए। पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक। अखिलेश यादव ने 2024 में इसी सामाजिक समीकरण को भाजपा के खिलाफ खड़ा किया। राहुल गांधी भी जातिगत जनगणना, प्रतिनिधित्व और सामाजिक न्याय को अपनी राजनीति के केंद्र में ला चुके हैं। दोनों नेताओं के मुद्दे मिलते हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या दोनों की राजनीतिक मशीनरी भी साथ चल सकती है?पीडीए का नारा लगाना आसान है, लेकिन टिकट बांटते समय सामाजिक संतुलन बनाना बेहद कठिन। किस सीट पर सपा लड़ेगी, किस सीट पर कांग्रेस? किस सामाजिक वर्ग को टिकट मिलेगा? कौन-सा नेता किस क्षेत्र में प्रचार करेगा? अगर कांग्रेस और सपा इन सवालों का जवाब नहीं खोज पाईं तो पीडीए का राजनीतिक नारा सिर्फ भाषणों तक सीमित रह जाएगा।प्रियंका गांधी की मौजूदगी ने भी कई सवाल खड़े किए हैं। क्या कांग्रेस 2027 में उन्हें उत्तर प्रदेश के चुनावी मैदान में उतारने की तैयारी कर रही है? प्रियंका गांधी के पास उत्तर प्रदेश का राजनीतिक अनुभव है। राहुल गांधी राष्ट्रीय मुद्दों पर भाजपा को घेर सकते हैं, अखिलेश यादव संगठन और सामाजिक समीकरण संभाल सकते हैं और प्रियंका गांधी महिला तथा युवा मतदाताओं के बीच कांग्रेस की पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर सकती हैं। अगर यह रणनीति बनी तो उत्तर प्रदेश में विपक्ष का चुनावी चेहरा तीन स्तरों पर दिखाई देगा।युवाओं का मुद्दा भी निर्णायक हो सकता है। पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी और रोजगार का संकट लाखों युवाओं के भविष्य से जुड़ा है। राहुल गांधी इस मुद्दे पर लगातार सरकार को घेरते रहे हैं। समाजवादी पार्टी भी भर्ती और रोजगार के सवाल पर सरकार के खिलाफ आक्रामक रही है। अगर दोनों दल इस मुद्दे को साझा अभियान बना देते हैं तो 2027 में यह भाजपा के खिलाफ सबसे बड़ा राजनीतिक हथियार बन सकता है।

अयोध्या का मुद्दा भी विपक्ष की रणनीति में नया मोर्चा खोल सकता है। चढ़ावे से जुड़े विवाद पर अखिलेश यादव सरकार से सवाल पूछ रहे हैं। राहुल गांधी अब तक इस मुद्दे पर उतने मुखर नहीं रहे। ऐसे में दोनों नेताओं के बीच यह चर्चा संभव है कि धार्मिक आस्था से टकराए बिना प्रशासनिक जवाबदेही का सवाल कैसे उठाया जाए।लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या कांग्रेस और सपा अपनी-अपनी महत्वाकांक्षाओं पर लगाम लगा पाएंगी? 2024 में 43 लोकसभा सीटों की जीत ने विपक्ष को उम्मीद दी। मगर 2027 में विधानसभा की 403 सीटें होंगी। यहां सिर्फ राष्ट्रीय चेहरा नहीं चलेगा। बूथ, जातीय समीकरण, स्थानीय उम्मीदवार और संगठन निर्णायक होंगे।राहुल गांधी और अखिलेश यादव जानते हैं कि भाजपा को चुनौती देने के लिए साथ रहना जरूरी है। लेकिन दोनों यह भी जानते हैं कि गठबंधन में बराबरी का दावा करने वाला कांग्रेस नेतृत्व और उत्तर प्रदेश में अपनी जमीन छोड़ने को तैयार नहीं समाजवादी नेतृत्व, लंबे समय तक आसानी से साथ नहीं चलेंगे।

इसलिए संसद भवन की यह बैठक सिर्फ एक मुलाकात नहीं थी। यह 2027 की पहली बड़ी राजनीतिक चेतावनी थी। कांग्रेस को तय करना होगा कि वह उत्तर प्रदेश में अपनी वास्तविक ताकत के हिसाब से सीट मांगेगी या राष्ट्रीय हैसियत के आधार पर।

लोकतंत्र में हक मांगना गुनाह नहीं, फिर जंतर-मंतर पर छात्रों का बर्बर दमन क्यों?

दिलीप कुमार पाठक

अपने ही देश के बच्चों को सड़कों पर जानवरों की तरह दौड़ा-दौड़ा कर पीटा जाए, उन पर आंसू गैस के गोले दागे जाएं और उनका खून बहाया जाए, तो समझ लेना चाहिए कि व्यवस्था के भीतर की इंसानियत मर चुकी है। कल, यानी 20 जुलाई 2026 को दिल्ली के जंतर-मंतर पर जो कुछ भी हुआ, वह किसी भी संवेदनशील इंसान की रूह को कंपा देने के लिए काफी है। नीट जैसी बड़ी परीक्षा में हुई धांधली और पेपर लीक के खिलाफ देश के कोने-कोने से आए हजारों छात्र सिर्फ एक पारदर्शी भविष्य और इंसाफ की गुहार लगा रहे थे। मगर संसद के मानसून सत्र के पहले दिन जब इन बेकसूर बच्चों ने संसद चलो मार्च शुरू किया, तो सरकार ने उनके स्वागत में बैरिकेडिंग की दीवारें, कटीले तार और पुलिस की बेरहम लाठियां खड़ी कर दीं। सवाल सीधा और बहुत कड़वा है झ इस खौफनाक दमन की जिम्मेदारी आखिर कौन लेगा? दिल्ली पुलिस कोई स्वतंत्र संस्था नहीं है, वह सीधे तौर पर देश के केंद्रीय गृह मंत्रालय के इशारे पर काम करती है। नई दिल्ली के डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस सचिन शर्मा और उनके प्रशासनिक आला अधिकारियों के आदेश के बिना एक भी लाठी नहीं चल सकती थी।

पुलिस ने तर्क दिया कि इलाके में धारा 163 यानी निषेधाज्ञा लागू थी और सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत मार्च की अनुमति नहीं थी। लेकिन क्या कानून व्यवस्था बनाए रखने का मतलब यह है कि आप निहत्थे छात्रों को लहू-लुहान कर दें? क्या देश की राजधानी में अपनी बात कहने जा रहे बच्चों को काबू करने का एकमात्र तरीका सिर्फ बर्बरता ही रह गया है? जब राम मनोहर लोहिया अस्पताल में घायल छात्र और पुलिसकर्मी कराह रहे थे, तब सत्ता के गलियारों में सन्नाटा पसरा हुआ था। छात्रों का अपराध सिर्फ इतना था कि वे उस लचर परीक्षा प्रणाली पर सवाल उठा रहे थे जिसने लाखों युवाओं के सपनों को बेच दिया। वे शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांग रहे थे क्योंकि वे देश के युवाओं को सुरक्षित भविष्य देने में नाकाम रहे। वे मांग कर रहे थे कि व्यवस्था की इसी नाकामी के चलते जिन 20 से ज्यादा पीड़ित अभ्यर्थियों ने टूटकर आत्महत्या कर ली, उनके परिवारों को न्याय और मुआवजा मिले। इस शांतिपूर्ण आंदोलन की रीढ़ बने लद्दाख के मशहूर शिक्षाविद सोनम वांगचुक पहले ही 21 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे थे। उन्हें भी सरकार ने 18 जुलाई को जबरन उठाकर सफदरजंग अस्पताल में बंद कर दिया ताकि युवाओं की आवाज को कमजोर किया जा सके। कल रात जब पुलिस ने जंतर-मंतर से टेंट और स्टेज को उजाड़ दिया, तब भी वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंग्मो और हजारों छात्र बिना डरे केरल हाउस के पास डटे रहे। यह साबित करता है कि युवाओं का हौसला लाठियों के दम पर कुचला नहीं जा सकता।

हैरानी की बात देखिए, देश के केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने आंदोलन के छात्र नेताओं से सिर्फ 10 मिनट की मुलाकात की, लेकिन ठोस समाधान निकालने के बजाय सिर्फ समय मांगने की औपचारिकता पूरी की। सरकार की इस क्रूर चुप्पी के खिलाफ विपक्ष ने भी संसद में जमकर हंगामा किया। प्रियंका गांधी वाड्रा ने बिल्कुल सही और तीखा सवाल पूछा कि आखिर ये हमारे ही बच्चे हैं, पेपर लीक जैसी गंभीर समस्या पर चर्चा करने के बजाय सरकार उन पर लाठियां क्यों बरसा रही है? आम आदमी पार्टी के नेताओं ने भी इस दमन की तुलना औपनिवेशिक दौर की तानाशाही से की। हुक्मरानों को यह बात गांठ बांध लेनी चाहिए कि यह देश एक लोकतंत्र है, कोई तानाशाही राज नहीं। संविधान का अनुच्छेद 19 1ु हर एक नागरिक को बिना किसी हथियार के शांतिपूर्वक इकट्ठा होने और अपनी चुनी हुई सरकार के खिलाफ आवाज उठाने की पूरी आजादी देता है। जनता ने इस सरकार को देश की सेवा करने और युवाओं को रोजगार देने के लिए चुना है, उन पर खाकी का रोब झाड़ने और लाठियां भांजने के लिए नहीं। कल जंतर-मंतर की तपती सड़कों पर बहा युवाओं का एक-एक कतरा खून और उनकी आंखों के आंसू इस बहरी और अंधी व्यवस्था से अपनी बर्बरता का पूरा हिसाब जरूर मांगेंगे

सौ दिन में दिखी नीति और नियत की ताकत

प्रेम प्रकाश

लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी सरकार के पहले 100 दिन उसके पूरे कार्यकाल का अंतिम मूल्यांकन नहीं होते, लेकिन वे उसकी कार्यशैली, प्राथमिकताओं और विकास-दृष्टि का स्पष्ट संकेत अवश्य देते हैं। यही वह समय होता है जब चुनावी संकल्प नीतिगत निर्णयों का रूप लेते हैं और यह स्पष्ट होने लगता है कि सरकार राज्य को किस दिशा में आगे ले जाना चाहती है। बिहार में सम्राट सरकार के पहले 100 दिन भी इसी दृष्टि से महत्वपूर्ण रहे हैं। इन शुरूआती दिनों में सरकार ने केवल घोषणाओं तक स्वयं को सीमित नहीं रखा, बल्कि कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योग, डिजिटल गवर्नेंस और आधारभूत संरचना जैसे क्षेत्रों में ऐसे निर्णय लिए, जिनका उद्देश्य विकास की गति तेज करने के साथ प्रशासन को अधिक प्रभावी और उत्तरदायी बनाना है।

बिहार की अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत कृषि है। इसलिए सरकार ने शुरूआत इसी क्षेत्र से की। प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित किसानों के खातों में ?260.71 करोड़ की कृषि इनपुट सब्सिडी सीधे डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की गई। इसके साथ ही कृषि को केवल उत्पादन तक सीमित न रखकर डेयरी और मत्स्य क्षेत्र को भी ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार बनाने की दिशा में पहल की गई। कॉम्फेड, नाफेड और आईओसीएल के साथ हुए समझौते तथा 8,000 से अधिक नए सुधा बिक्री केंद्रों के विस्तार की योजना इस बात का संकेत देती है कि सरकार कृषि को मूल्य संवर्धन और बाजार से जोड़ने की रणनीति पर काम कर रही है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी सरकार ने गरीब और निम्न मध्यमवर्गीय परिवारों को राहत देने वाले निर्णय लिए। मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष की वार्षिक आय सीमा ?2.5 लाख से बढ़ाकर ?4 लाख कर दी गई, जिससे अधिक परिवार गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए सरकारी सहायता प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही बिहार गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम का विस्तार और बिहार स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय की स्थापना की दिशा में पहल यह संकेत देती है कि सरकार केवल चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि स्वास्थ्य शिक्षा और संस्थागत क्षमता को भी मजबूत करना चाहती है।

सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में सरकार ने 94 लाख से अधिक पेंशनधारियों के लिए समयबद्ध प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) की व्यवस्था सुनिश्चित की। प्रत्येक माह निर्धारित तिथि तक पेंशन राशि लाभार्थियों के खातों में पहुंचाने का निर्णय प्रशासनिक जवाबदेही और पारदर्शिता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है। इससे बुजुर्गों, दिव्यांगजनों और अन्य पात्र लाभार्थियों के लिए सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था अधिक भरोसेमंद बनने की उम्मीद है।

चेंजिंग रूम में हिडन कैमरे, तकनीक के दुरुपयोग पर कठोर रोक की जरूरत

डॉ. प्रियंका सौरभ

हर सभ्य समाज की पहचान इस बात से होती है कि वह अपने नागरिकों की गरिमा, निजता और सुरक्षा को कितना महत्व देता है। विशेषकर महिलाओं की निजता की रक्षा किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का मूल दायित्व है। लेकिन जब ऐसे स्थान, जहाँ व्यक्ति स्वयं को सबसे अधिक सुरक्षित समझता है–जैसे चेंजिंग रूम, ट्रायल रूम, फोटो स्टूडियो, जिम, ब्यूटी पार्लर या होटल–वहीं उसकी निजता पर हमला होने लगे, तब यह केवल एक आपराधिक घटना नहीं रहती, बल्कि पूरे समाज के लिए चेतावनी बन जाती है।

हिसार के निरंकारी रोड स्थित एक फोटो स्टूडियो के चेंजिंग रूम में कथित रूप से हिडन कैमरा मिलने की घटना ने हर संवेदनशील नागरिक को झकझोर दिया है। जानकारी के अनुसार, फोटो शूट के लिए पहुँची एक युवती ने चेंजिंग रूम में कपड़े बदलते समय दीवार में कुछ संदिग्ध दिखाई देने पर अपने मोबाइल की टॉर्च से जांच की और एक छिपा हुआ कैमरा देखा। उसने तत्काल पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कैमरा जब्त किया और स्टूडियो संचालक को गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई सराहनीय है, लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि इस घटना को केवल एक पुलिस केस मानकर भुलाया न जाए, बल्कि इसे समाज, प्रशासन और कानून के लिए गंभीर चेतावनी के रूप में देखा जाए।

यह घटना अनेक प्रश्न छोड़ जाती है। क्या यह कैमरा पहली बार लगाया गया था? क्या इससे पहले भी किसी की रिकॉर्डिंग की गई? यदि रिकॉर्डिंग हुई, तो वह कहाँ संग्रहीत है? क्या उसे किसी के साथ साझा किया गया? क्या अन्य लोग भी इस अपराध का शिकार हुए होंगे? इन सभी पहलुओं की वैज्ञानिक और डिजिटल फॉरेंसिक जांच अत्यंत आवश्यक है। ऐसे मामलों में केवल कैमरा बरामद करना पर्याप्त नहीं होता, बल्कि उससे जुड़े प्रत्येक डिजिटल साक्ष्य की जांच भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है।

तकनीक ने हमारे जीवन को आसान बनाया है, लेकिन उसी तकनीक का दुरुपयोग अपराधियों के हाथों में खतरनाक हथियार बन गया है। आज बाजार में अत्यंत छोटे आकार के कैमरे आसानी से उपलब्ध हैं। इन्हें घड़ी, पेन, चार्जर, स्मोक डिटेक्टर, बल्ब, हुक, पावर बैंक या सजावटी वस्तुओं में छिपाया जा सकता है। आम व्यक्ति के लिए उन्हें पहचानना आसान नहीं होता। यही कारण है कि ऐसे अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं और कई बार पीड़ितों को वर्षों तक पता भी नहीं चलता कि उनकी निजी गतिविधियाँ रिकॉर्ड की जा चुकी हैं।

ऐसे अपराध केवल निजता का उल्लंघन नहीं करते, बल्कि व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डालते हैं। यदि किसी महिला को यह पता चले कि उसके कपड़े बदलते समय की वीडियो रिकॉर्डिंग किसी ने बना ली है, तो वह केवल कानूनी पीड़िता नहीं रहती, बल्कि लंबे समय तक मानसिक तनाव, भय, शर्म और सामाजिक दबाव से भी गुजरती है। कई मामलों में पीड़ित अवसाद, आत्मग्लानि और सामाजिक अलगाव का भी सामना करते हैं। इसलिए ऐसे अपराधों को केवल तकनीकी अपराध नहीं, बल्कि मानवीय गरिमा पर हमला माना जाना चाहिए।

इस घटना का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष विश्वास का टूटना है। कोई भी व्यक्ति फोटो स्टूडियो में इस विश्वास के साथ जाता है कि वहाँ उसकी निजता सुरक्षित रहेगी। यदि ऐसे प्रतिष्ठानों में ही लोग असुरक्षित महसूस करने लगें, तो समाज में विश्वास की नींव कमजोर हो जाती है। इसलिए प्रत्येक फोटो स्टूडियो, ब्यूटी पार्लर, जिम, ट्रायल रूम और होटल संचालक की जिम्मेदारी है कि वे अपने संस्थान में पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करें। यदि कहीं कोई कर्मचारी या संचालक ऐसी हरकत करता है, तो उसका दुष्प्रभाव पूरे व्यवसाय पर पड़ता है।

कानून इस प्रकार के अपराधों को गंभीरता से देखता है। किसी व्यक्ति की अनुमति के बिना उसकी निजी गतिविधियों की रिकॉर्डिंग करना, उसे सुरक्षित रखना, साझा करना या उसका प्रसारण करना विभिन्न कानूनी प्रावधानों के तहत दंडनीय अपराध है। यदि रिकॉर्डिंग का उद्देश्य अश्लील सामग्री तैयार करना या ब्लैकमेल करना हो, तो अपराध और भी गंभीर हो जाता है। इसलिए ऐसे मामलों में त्वरित जांच, डिजिटल साक्ष्यों का संरक्षण और समयबद्ध न्याय आवश्यक है।

पुलिस की भूमिका केवल एफआईआर दर्ज करने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। जांच एजेंसियों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि कैमरे से जुड़े सभी डिजिटल उपकरण जब्त किए जाएँ, हार्ड डिस्क, मेमोरी कार्ड, कंप्यूटर, मोबाइल फोन और क्लाउड स्टोरेज की भी जांच हो। यदि कोई सामग्री इंटरनेट या सोशल मीडिया पर अपलोड की गई हो, तो उसे तुरंत हटाने और संबंधित प्लेटफॉर्म से सहयोग प्राप्त करने की प्रक्रिया भी तेज होनी चाहिए।

नॉलेज इकोनॉमी की महाशक्ति बनेगा भारत, राष्ट्रनिष्ठ व संस्कारित छात्रशक्ति गढ़ेगी अभाविप

केरल से कश्मीर, तेलंगाना से हिमाचल तक छात्रहित की जगाई अलख

लखनऊ।
21वीं सदी की 'नॉलेज इकोनॉमी' में भारत को वैश्विक नेतृत्व दिलाने और राष्ट्रनिष्ठ, चरित्रवान व नवाचार-सक्षम छात्रशक्ति तैयार करने के लक्ष्य के साथ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने भविष्य का अपना विजन सामने रखा है। संगठन का कहना है कि ज्ञान, अनुसंधान, कौशल, नवाचार और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के समन्वय से ही भारत विश्व की अग्रणी ज्ञान महाशक्ति बन सकता है। इसी उद्देश्य से अभाविप शिक्षा सुधार, चरित्र निर्माण और राष्ट्र निर्माण को एकसूत्र में जोड़ते हुए देशभर के परिसरों में जागरूक, सक्षम और संस्कारित छात्रशक्ति तैयार करने का अभियान तेज करेगी। पिछले एक दशक तक छात्रहित के मुद्दों पर राष्ट्रीय स्तर पर निर्णायक भूमिका निभाने के बाद अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने अब भारत को विश्वस्तरीय शिक्षा व्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के

क्षेत्रीय संगठन मंत्री (पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र) घनश्याम शाही ने हिन्दुस्थान समाचार से बातचीत में कहा कि अभाविप का मूल उद्देश्य केवल विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान कराना नहीं, बल्कि राष्ट्र जीवन के प्रत्येक क्षेत्र के लिए चरित्रवान, सक्षम, सामाजिक रूप से उत्तरदायी और नेतृत्व क्षमता से युक्त युवाओं का निर्माण करना है। परिषद का विश्वास है कि विश्वगुरु भारत का सपना तभी साकार होगा, जब देश की शिक्षा व्यवस्था विश्वस्तरीय, पारदर्शी, शोध आधारित, तकनीक-सक्षम और विद्यार्थी-केंद्रित बनेगी।
उन्होंने कहा कि इसी लक्ष्य को लेकर परिषद आने वाले समय में पारदर्शी भर्ती एवं प्रवेश परीक्षा प्रणाली, एनटीए में व्यापक सुधार, पेपर लीक पर प्रभावी नियंत्रण, समयबद्ध शैक्षणिक कैलेंडर, फीस रेगुलेशन कानून, शिक्षा पर जीडीपी का छह प्रतिशत व्यय, आधुनिक छात्रावास, डिजिटल एवं शोध सुविधाओं का विस्तार, स्टार्टअप और नवाचार को बढ़ावा, सुरक्षित परिसर तथा गुणवत्तापूर्ण एवं किफायती शिक्षा को लेकर देशव्यापी अभियान चलाएगी।
क्षेत्रीय संगठन मंत्री ने कहा कि शिक्षा सुधार का यह विजन पिछले एक दशक में देशभर में छात्रहित के लिए चले आंदोलनों, जनजागरण अभियानों और लोकतांत्रिक संघर्षों के अनुभवों से विकसित हुआ है। केरल में मेडिकल कॉलेज फीस वृद्धि के विरोध से लेकर केंद्रीय विश्वविद्यालयों में छात्रावास और रिक्त शिक्षकों के पद भरने की मांग, छात्रवृत्ति, छात्राओं की सुरक्षा, शिक्षा के व्यवसायीकरण के विरोध, मेडिकल सीटों में वृद्धि, शोधार्थियों के अधिकार, कोविड काल में विद्यार्थियों के हित, सीयूईटी और एनटीए सुधार, नीट पेपर लीक के खिलाफ राष्ट्रव्यापी आंदोलन, तेलंगाना में छात्रवृत्ति एवं फीस प्रतिपूर्ति, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में फीस वृद्धि के विरोध और नीट-2026 की अनियमितताओं जैसे मुद्दों पर अभाविप ने लगातार राष्ट्रीय स्तर पर विद्यार्थियों की आवाज बुलंद की है।
उन्होंने कहा कि संगठन की पहचान केवल आंदोलनों से नहीं, बल्कि रचनात्मक राष्ट्र निर्माण से है। परिषद का प्रयास है कि भारत का प्रत्येक शिक्षण संस्थान उत्कृष्टता, नवाचार, अनुसंधान और नैतिक मूल्यों का केंद्र बने, ताकि भारतीय विद्यार्थी वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अग्रणी भूमिका निभा सकें।

'विद्यार्थी पहले, शिक्षा सर्वोपरि और राष्ट्र सर्वोच्च' का संकल्प

उन्होंने कहा कि विद्यार्थी पहले, शिक्षा सर्वोपरि और राष्ट्र सर्वोच्च अभाविप की कार्यसंस्कृति है। आने वाले वर्षों में परिषद का प्रयास भारत को केवल शिक्षित राष्ट्र नहीं, बल्कि ज्ञान, अनुसंधान, नवाचार और सांस्कृतिक मूल्यों के बल पर विश्व की अग्रणी 'नॉलेज इकोनॉमी' और 'विश्वगुरु' के रूप में स्थापित करने के लिए राष्ट्रनिष्ठ, संस्कारित और समाजोन्मुख छात्रशक्ति तैयार करना होगा। इसी लक्ष्य के साथ अभाविप देशभर के परिसरों में शिक्षा सुधार और राष्ट्र निर्माण के अभियान को नई गति देगी।

कांवड़ यात्रा में श्रद्धालुओं को नहीं होगी कोई असुविधा, सुरक्षा और व्यवस्थाएं दुरुस्त : जोगेंद्र

प्रयागराज।
कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, व्यवस्थित और सकुशल संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात, निगरानी और सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूरी कर ली जाएं, ताकि कांवड़ियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। यह निर्देश बुधवार को दशाश्वमेध घाट, मनकामेश्वर मंदिर तथा कांवड़ यात्रा मार्गों का संयुक्त निरीक्षण करने के दौरान पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार ने दिया।
आगामी कांवड़ यात्रा की तैयारियों का जायजा लेने के लिए बुधवार को पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा एवं अपर पुलिस आयुक्त अजय पाल शर्मा ने दशाश्वमेध घाट, मनकामेश्वर मंदिर तथा कांवड़ यात्रा मार्गों का संयुक्त निरीक्षण किया। अधिकारियों ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और यातायात व्यवस्था का आकलन करते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार ने दशाश्वमेध घाट स्थित पुलिस चौकी पर सीसीटीवी कैमरे लगाने, ड्रोन से निगरानी कराने तथा पीए सिस्टम के माध्यम से लगातार सुरक्षा संबंधी संदेश प्रसारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने घाटों एवं कांवड़ मार्गों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही सभी डीसीपी को अपने-अपने क्षेत्रों के शिवालयों और कांवड़ मार्गों का नियमित निरीक्षण कर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने डीसीपी यातायात को पार्किंग और डायवर्जन की प्रभावी व्यवस्था करने तथा कांवड़ियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने देने के निर्देश दिए।
जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने दशाश्वमेध घाट पर साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग, मोबाइल टॉयलेट, चेंजिंग रूम, बैरिकेडिंग और स्वास्थ्य सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्युत विभाग को पर्याप्त रोशनी और बैकअप के लिए जनरेटर की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। इसके अलावा घाटों पर गोताखोर, जल पुलिस और महिला पुलिसकर्मियों की पर्याप्त तैनाती, गहरे पानी वाले क्षेत्रों में बैरिकेडिंग और चेतावनी संकेत लगाने के भी निर्देश दिए।

लेखपाल धीरज सिंह हत्याकांड : पिता पुत्र सहित चार दोषियों को दोहरे आजीवन कारावास की सजा

मऊ।
अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोर्ट नंबर एक बाकर शमीम रिजवी ने लेखपाल धीरज कुमार सिंह की हत्या के मामले में सात आरोपियों में सुनवाई के बाद चार को दोषी पाते हुए दोहरे आजीवन कारावास की सजा के साथ ही 50-50 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया। अर्थदंड न देने पर 06-06 माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। मामला शहर कोतवाली क्षेत्र के बुद्ध बिहार कॉलोनी सहादतपुर का है। अभियोजन के अनुसार कोतवाली घोसी क्षेत्र के अरियासो गांव निवासी व वर्तमान में शहर कोतवाली क्षेत्र के मुहल्ला बुद्ध बिहार सहादतपुरा निवासिनी रीता सिंह पत्नी स्व. धीरज

कुमार सिंह की तहरीर पर एफआईआर दर्ज हुई। वादिनी का कथन था कि 11 फरवरी 2019 को उसके पति धीरज कुमार सिंह जो तहसील सदर में लेखपाल के पद पर कार्यरत थे घर पर लगभग 5:30 बजे आए। मैं और मेरे पति ड्राइंग रूम में बैठकर आपस में बातचीत कर रहे थे कि पांच व्यक्ति आए। मेरे पति ने कहा कि इन लोगों के लिए चाय बनाओ मैं चाय बनाने चली गई। उन पांचों व्यक्तियों को मैं उनकी शक्ल देखकर पहचान सकती हूं। इसी दौरान तेज आवाज सुनाई दी तो मैं अपने ड्राइंग में पहुंची तो पांचों व्यक्ति ड्राइंग रुम से बाहर निकल रहे थे और मेरे पति को गाली दे रहे थे। इसी दौरान उसके पति धीरज कुमार सिंह की गोली मारकर हत्या कर दिए। वादिनी की तहरीर के आधार पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज किया। दौरान विवेचना सरायलखंसी थाना क्षेत्र के छोटी रस्तीपुर निवासी विनोद कुमार पुत्र जगरनाथ, जगरनाथ पुत्र स्व. संत प्रसाद, मनोज राम पुत्र रामनाथ, सोनू उर्फ राहुल पुत्र जगरनाथ व नसोपुर गांव निवासी हरिभवन यादव उर्फ छन्नू यादव पुत्र बाबूराम यादव, पखईपुर गांव निवासी अरविंद सिंह पुत्र बसावन सिंह तथा कैथवली गांव निवासी रमेश सिंह उर्फ काका पुत्र स्व. रामबृक्ष सिंह का नाम प्रकाश में आया। बाद विवेचना आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। न्यायालय में अभियोजन की ओर से पैरवी करते हुए विशेष लोक अभियोजक शिवदत्त यादव व अधिवक्ता विनोद कुमार सिंह व विजेश कुमार ने 08 गवाहों को पेशकर अभियोजन का पक्ष रखा। बचाव पक्ष से कहा गया कि उन्हें झूठा फंसाया गया है।

खुरपका-मुंहपका रोग से बचाव को शुरू हुआ टीकाकरण अभियान, 45 दिन में 5.84 लाख पशुओं को लगेगा टीका

बरेली ।
जिले में खुरपका-मुंहपका (एफएमडी) रोग की रोकथाम के लिए राष्ट्रीय पशुरोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत आठवें चरण का टीकाकरण अभियान बुधवार से शुरू हो गया। विकास भवन परिसर से प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने टीकाकरण टीमों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अभियान के तहत अगले 45 दिनों में जिले के 15 विकासखंडों की 1188 ग्राम पंचायतों में 5.84 लाख

से अधिक पशुओं का टीकाकरण किया जाएगा। मंत्री धर्मपाल सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, रेडियो, समाचार पत्रों तथा पोस्टरों के माध्यम से कराया जाए, ताकि अधिक से अधिक पशुपालक अपने पशुओं का टीकाकरण कराएं। उन्होंने कहा कि खुरपका-मुंहपका जैसी संक्रामक बीमारी से पशुओं को बचाने के लिए समय पर टीकाकरण बेहद जरूरी है।
अपर निदेशक ग्रेड-टू डॉ. मदन पाल सिंह ने बताया कि बरेली जनपद के लिए मुख्यालय से 5,84,550 एफएमडी वैक्सीन उपलब्ध कराई हैं। अभियान को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए 53 टीमें गठित की गई हैं। इनमें 277 पैरावेट और मैत्री, 46 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, 24 पशुधन प्रसार अधिकारी, 22 पशु चिकित्सा अधिकारी तथा छह उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी लगाए गए हैं।
इसके बाद विकास भवन सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में निदेशक रोग नियंत्रण एवं प्रक्षेत्र पशुपालन विभाग डॉ. संगीता तिवारी ने अधिकारियों को माइक्रो प्लान के अनुसार टीकाकरण कराने के निर्देश दिए।
उन्होंने कहा कि वैक्सीन की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए कोल्ड चेन का विशेष ध्यान रखा जाए और इसे 2 से 8 डिग्री सेल्सियस तापमान पर सुरक्षित रखा जाए।

बिजली विभाग के लाइनमैनों के लिए सुरक्षा एवं कार्य कुशलता प्रशिक्षण, शून्य दुर्घटना का लक्ष्य

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश के वाराणसी में पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड ने हाल के दिनों में लाइनमैनों के साथ दुखद दुर्घटनाओं को देखते हुए उन्हें कार्य कुशलता प्रशिक्षण देना शुरू किया है। बुधवार को अमरा विद्युत उपकेन्द्र 33/11 केवी पर कुशल और अकुशल लाइनमैनों के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया।
कार्यक्रम के दौरान अधिशासी अभियंता बरईपुर इंजीनियर अभिषेक कुमार और उपखंड अधिकारी राजेश कुमार यादव ने लाइनमैनों को कार्य के दौरान अपनाई जाने वाली सुरक्षा प्रक्रियाओं की बारीकी से जानकारी दी। प्रशिक्षण में औजार और सुरक्षा उपकरणों जैसे डिस्चार्ज रॉड, सुरक्षा बेल्ट, हेलमेट और दस्तानों के सही उपयोग के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। लाइनमैनों को तकनीकी रूप से और अधिक दक्ष बनाने के साथ फील्ड में सावधानियां बरतने के तरीके बताए गए। अधिकारियों ने विद्युत आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने और शून्य दुर्घटना के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी तकनीकी कर्मचारियों को पूरी सजगता और सतर्कता से कार्य करने के निर्देश दिए। कार्यशाला का उद्देश्य कार्यस्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ कर्मचारियों की कार्य क्षमता बढ़ाना रहा।

यूपी एसटीएफ ने बिहार से वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

लखनऊ।
उत्तर प्रदेश की स्पेशल टॉस्क फोर्स (एसटीएफ) ने बुधवार को बिहार राज्य से एनडीपीएस एक्ट में वांछित अभियुक्त को लखनऊ से गिरफ्तार किया है। उसके पास से नेपाली और भारतीय मुद्रा बरामद हुई है।
एसटीएफ के अपर पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार सिंह ने बुधवार को बताया कि एक सूचना पर एसटीएफ की टीम ने शहीद पथ के पास से बिहार राज्य के मोतीहारी के रहने वाला विकास कुमार को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 110 नेपाली और 10 हजार 590 रुपये की भारतीय नोट बरामद हुआ है। अभियुक्त के खिलाफ बिहार राज्य के थाना रामगढ़वा में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज था, जिसमें अभियुक्त वांछित था। अभियुक्त को गिरफ्तार कर गोमतीनगर थाना में दाखिल कराया गया है। अभियुक्त की ट्राजिट रिमांड के लिए बिहार पुलिस की ओर से कार्रवाई की जा रही है।

फॉरेंसिक तकनीक के जरिये ज्यादा कारगर बनाए जाएंगे प्रदेश के कारागार

कारागार प्रशासन और यूपी राज्य फॉरेंसिक विज्ञान संस्थान के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

लखनऊ।
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं और उत्तर प्रदेश राज्य फॉरेंसिक विज्ञान संस्थान के बीच शैक्षणिक सहयोग, अनुसंधान और क्षमता निर्माण के लिए महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस पहल से कारागार प्रशासन में आधुनिक फॉरेंसिक तकनीकों, वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रशिक्षण को नई गति मिलेगी।
एमओयू पर महानिदेशक कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं पीसी मीना और राज्य फॉरेंसिक विज्ञान संस्थान के निदेशक डॉ. जीके गोस्वामी ने हस्ताक्षर किए। कार्यक्रम में दोनों अधिकारियों ने इसे प्रदेश की न्याय प्रणाली को और मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।
डॉ. जीके गोस्वामी ने बुधवार को कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप प्रदेश में फॉरेंसिक क्षमताओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। वैज्ञानिक साक्ष्यों का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। फॉरेंसिक विज्ञान निदोषों को बचाने और अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने का सबसे मजबूत माध्यम बनकर उभरा है।
इस समझौते के तहत दोनों संस्थान संयुक्त प्रशिक्षण, अनुसंधान, कार्यशालाएं, विशेषज्ञ व्याख्यान, इंटर्नशिप, पाठ्यक्रम विकास और शोध परियोजनाओं पर मिलकर कार्य करेंगे। इससे कारागार विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की वैज्ञानिक समझ तथा दक्षता बढ़ेगी।
डीजी, कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं पी.सी. मीना ने कहा कि यह एमओयू दोनों संस्थानों के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

ट्रक की टक्कर से स्कूटी सवार अधेड़ की मौत

प्रयागराज।
उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित जार्जटाउन थाना क्षेत्र के रामबाग रेलवे ओवर ब्रिज पर बुधवार देर रात ट्रक की टक्कर से स्कूटी सवार व्यक्ति की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की।
पुलिस उपायुक्त नगर मनीष कुमार शांडिल्य ने बताया कि हादसे में प्रयागराज के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के लाल बहादुर शास्त्री मार्ग निवासी रजनीश कुमार (46) पुत्र अजय कुमार की मौत हो गई।

उप्र डीजीपी से प्रशिक्षु पीसीएस अधिकारियों ने की मुलाकात, साझा किया अनुभव

लखनऊ।
पुलिस मुख्यालय में प्रान्तीय सिविल सेवा का 90वें आधार भूत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 41 प्रशिक्षु अधिकारियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण से शिष्टाचार भेंट की।
इस दौरान डीजीपी ने पीसीएस अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण के उपरान्त आप सभी विभिन्न महत्वपूर्ण प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन करेंगे, जिनमें उपजिलाधिकारी (एसडीएम) का दायित्व अत्यंत महत्वपूर्ण एवं जनसरोकारों से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा हुआ है।
एक सक्षम एवं संवेदनशील

प्रशासनिक अधिकारी के रूप में पुलिस सहित अन्य विभागों के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित करते हुए जनसमस्याओं का त्वरित, निष्पक्ष एवं पारदर्शी समाधान सुनिश्चित करना आपकी प्रमुख जिम्मेदारी होगी। प्रशासन एवं पुलिस के बीच बेहतर समन्वय ही सुशासन, प्रभावी कानून-व्यवस्था तथा जनविश्वास की आधारशिला है।
उन्होंने कहा कि तहसील स्तर पर उपजिलाधिकारी का कार्यालय आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों के निस्तारण का सबसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक केन्द्र होता है।
राजस्व संबंधी प्रकरणों, न्यायालयीन कार्यों एवं कानून-व्यवस्था के अतिरिक्त भी नागरिक अपनी विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए सर्वप्रथम उपजिलाधिकारी से ही अपेक्षा रखते हैं।
विशेष रूप से भूमि विवाद एवं भू-स्वामित्व से जुड़े मामलों में अत्यधिक संवेदनशीलता, निष्पक्षता एवं समयबद्ध कार्रवाई अपेक्षित है, क्योंकि एक सामान्य नागरिक के लिए उसकी भूमि केवल संपत्ति नहीं, बल्कि उसके जीवनयापन, सम्मान एवं भविष्य का आधार होती है। ऐसे मामलों का न्यायसंगत एवं प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाना चाहिए।
डीजीपी ने कहा कि जनशिकायतों का निस्तारण एक सतत प्रक्रिया है, जिसके लिए निरंतर समीक्षा एवं प्रभावी निगरानी आवश्यक है। उन्होंने खाद, बीज, विद्युत, सिंचाई एवं पेयजल जैसी मूलभूत जनसमस्याओं के समाधान में एसडीएम की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इन क्षेत्रों में उनकी कार्यकुशलता एवं संवेदनशीलता से प्रशासन की विश्वसनीयता स्थापित होती है।

खेत तालाबों में मत्स्य पालन और मोती की खेती अपनाएं किसान, बढ़ेगी आय : जितेंद्र प्रताप सिंह

कानपुर।
लाभार्थी किसान खेत तालाबों का बहुउद्देशीय उपयोग करते हुए मत्स्य पालन के साथ मोती की खेती भी अपनाएं। इससे अतिरिक्त आय बढ़ेगी और कृषि अधिक लाभकारी एवं टिकाऊ बन सकेगी। यह बातें बुधवार को कानपुर के जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहीं।
विकास भवन सभागार में बुधवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में जिला भूमि एवं जल संरक्षण समिति, जिला मिशन समिति तथा डब्ल्यूसीडीसी-

पीएमकेएसवाई 2.0 समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में वर्ष 2025-26 के कार्यों की समीक्षा के साथ वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना को मंजूरी दी गई।
भूमि संरक्षण अधिकारी शैलेंद्र कुमार ने भूमि संरक्षण इकाई के तहत संचालित योजनाओं की प्रगति, गत बैठक के निदेशों के अनुपालन तथा आगामी वर्ष के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों का प्रस्तुतीकरण किया। समीक्षा के बाद समिति ने वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना और लक्ष्यों का अनुमोदन किया।
बैठक में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत वर्ष 2026-27 में 15 खेत तालाबों के निर्माण के लिए चयनित लाभार्थी किसानों के नामों का अनुमोदन किया गया। प्रत्येक तालाब का मानक आकार 22203 मीटर होगा।

फोटो वायरल करने की धमकी देकर छात्रा से दुष्कर्म, आरोपित युवक पर मुकदमा दर्ज

मुरादाबाद।
उत्तर प्रदेश में मुरादाबाद जिले के थाना मझोला क्षेत्र में एक युवक ने दसवीं की छात्रा की फोटो वायरल करने की धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद आरोपित ने फोटो इंस्टाग्राम पर वायरल भी कर दिए। पीड़ित के परिजन तहरीर के आधार पर मामले में आरोपित के खिलाफ बुधवार को रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी।

पुलिस अधीक्षक नगर कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि थाना मझोला क्षेत्र की एक कॉलोनी निवासी महिला ने मझोला थाना में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनकी 16 वर्षीय बेटी दसवीं कक्षा में पढ़ती है। महिला का कहना है कि मझोला के मोहल्ला गांगन निवासी करन 15 मई की सुबह करीब 11 बजे उसकी बेटी को पड़ोसी के मकान में ले गया और वहां आरोपित ने पीड़ित को डरा धमकाकर दुष्कर्म किया और उसका अश्लील फोटो बना लिया। इसके बाद आरोपित ने पीड़ित को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। आरोपित ने कई बार पीड़ित का शोषण किया और फोटो भी इंस्टाग्राम पर वायरल कर दिए।

नियमों की अनदेखी पर स्कूलों के खिलाफ होगी कार्रवाई : जिलाधिकारी

वाहन व चालकों का ब्यौरा देने के निर्देश, बिना लाइसेंस और हेलमेट चलाने वाले छात्रों पर भी सख्ती

झांसी।
उत्तर प्रदेश के झांसी में बच्चों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए जिलाधिकारी गौरांग राठी ने जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक में कड़े निर्देश जारी किए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अनफिट स्कूली वाहन किसी भी हाल में सड़क पर नहीं चलेंगे। यदि ऐसे वाहन संचालित मिले तो उन्हें तत्काल सीज किया जाएगा और संबंधित विद्यालय के खिलाफ भी कार्रवाई होगी।
कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में डीएम ने सभी स्कूलों से छात्रों को लाने-ले जाने वाले वाहनों

एवं चालकों का पूरा विवरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जानकारी न देने वाले विद्यालयों को नोटिस जारी कर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई। उन्होंने कहा कि बिना लाइसेंस व हेलमेट के वाहन चलाकर स्कूल आने वाले नाबालिग छात्रों पर भी कार्रवाई होगी। यदि ऐसे छात्र दुर्घटना का शिकार होते हैं तो अभिभावक और विद्यालय प्रबंधन दोनों जिम्मेदार होंगे। डीएम ने एआरटीओ को सभी स्कूली वाहनों की जांच अभियान तेज करने, 25 अनफिट वाहनों को हर हाल में सड़क से हटाने तथा निजी ड्राइवरों का पुलिस सत्यापन और स्वास्थ्य परीक्षण कराने के निर्देश दिए। बैठक में एआरटीओ ने बताया कि जिले के 2402 विद्यालयों का निरीक्षण किया जा चुका है। 511 स्कूली बसों की जांच में 13 का पंजीयन निलंबित, एक का निरस्त किया गया, जबकि 25 अनफिट वाहनों का संचालन बंद कराया गया है।
डीएम ने डीआईओएस को विद्यालयों में यातायात जागरूकता कार्यक्रम संचालित कराने और हेलमेट के प्रति छात्रों को जागरूक करने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन शिव प्रताप शुक्ल, अपर जिलाधिकारी न्याय अरुण कुमार गौड़, एसपी सिटी प्रीति सिंह, नोडल अधिकारी अधिशाषी अभियंता रजनीश गुप्ता सहित विभिन्न स्कूलों से आए स्कूल प्रबंधक बस एसोसिएशन, ऑटो संगठन के अधिकारी व विभाग की अधिकारी उपस्थित रहे।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 25 पैसे की गिरावट के साथ ही 96.54 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया 96.34 प्रति डॉलर पर खुला।

वहीं गत दिवस ये 96.27 पर बंद हुआ था। कच्चे तेज की कीमतों में आई तेजी से भी रुपये पर दबाव आया है। । वैश्विक अनिश्चितता बढ़ने से भी एशिया की अधिकतर मुद्राओं की तरह रुपया भी दबाव में रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि निवेशकों के सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख करने से अमेरिकी डॉलर की मांग बढ़ी जिससे भी रुपये पर दबाव बना।

डॉलर जुटाने के लिए सरकार की महामुहिम, बैंकों को मिले टारगेट

आरबीआई की रियायती स्वैप योजना से 20.72 अरब डॉलर का प्रवाह, वित्त मंत्रालय ने तय किए बैंकों के लिए एफसीएनआर-बी लक्ष्य

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा विदेशी मुद्रा आकर्षित करने के लिए शुरू की गई रियायती स्वैप योजना ने शानदार शुरुआत की है। 17 जुलाई तक इस योजना के तहत 20.72 अरब डॉलर का विदेशी निवेश आकर्षित हुआ है, जिसमें विदेशी मुद्रा अनिवासी भारतीय (बैंक) जमा यानी (एफसीएनआर-बी) का बड़ा योगदान है। इस गति को बनाए रखने के लिए वित्त मंत्रालय ने अब बैंकों के लिए 30 सितंबर तक एफसीएनआर-बी जमा जुटाने के विशिष्ट लक्ष्य निर्धारित कर दिए हैं, जो इस योजना की अंतिम तिथि भी है। सरकार का लक्ष्य विभिन्न उपायों से कुल 90 अरब डॉलर जुटाना है, जिसे पूरा करने के लिए बैंकों पर दबाव बढ़ गया है।विदेशी मुद्रा प्रवाह का प्रदर्शनः आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, रियायती स्वैप योजनाओं ने 17 जुलाई तक कुल 20.72 अरब डॉलर का निवेश आकर्षित किया है। इसमें एफसीएनआर-बी योजना से 17.4 अरब डॉलर, विदेशी मुद्रा उधारी (ओएफसीबी) से 1.97 अरब डॉलर और बाह्य वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) की स्वैप सुविधा से 1.34 अरब डॉलर का प्रवाह शामिल है। ये आंकड़े जून में घोषित मौद्रिक नीति समीक्षा के उपायों की सफलता को दर्शाते हैं, जिनका उद्देश्य भुगतान संतुलन को मजबूत करना और पूंजी अंतर्वाह को प्रोत्साहित करना था। वित्त मंत्रालय का हस्तक्षेप और बैंकों के लक्ष्यः विदेशी मुद्रा प्रवाह को और गति देने के लिए, वित्त मंत्रालय ने वित्तीय सेवा विभाग के माध्यम से सरकारी बैंकों को एफसीएनआर-बी जमा जुटाने के लिए विशिष्ट लक्ष्य सौंपे हैं। बैंकों को विदेशी मुद्रा प्रवाह को आकर्षित करने के लिए आक्रामक रणनीतियाँ तैयार करने का निर्देश दिया गया है। इंडियन ओवरसीज बैंक ने अपने एफसीएनआर-बी जमा लक्ष्य को बढ़ाकर 60-65 करोड़ डॉलर कर दिया है, जो पहले 50 करोड़ डॉलर था। इसके अतिरिक्त आईओबी विदेशी मुद्रा उधारी से 35-40 करोड़ डॉलर अतिरिक्त जुटाने का लक्ष्य बना रहा है। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने एफसीएनआर-बी जमा के रूप में 40 करोड़ डॉलर जुटाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।योजना की समय-सीमा और बाजार का आकलनः एफसीएनआर-बी विंडो 30 सितंबर तक उपलब्ध है, लेकिन इसके लिए विशिष्ट जमा जुटाने की अंतिम तिथि 30 सितंबर है। वहीं ओएफसीबी और ईसीबी सुविधाएं 31 दिसंबर तक उपलब्ध रहेंगी। बाजार विशेषज्ञों ने इस योजना के प्रदर्शन को उत्साहजनक बताया है, खासकर विकसित अर्थव्यवस्थाओं में ऊंची ब्याज दरों के बावजूद अच्छे अंतर्वाह के कारण। स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक की ए क अर्थशास्त्र अनुसंधान प्रमुख के अनुसार प्रवाह अपेक्षाओं के अनुरूप हैं और आंकड़े उत्साहजनक हैं। सितंबर के अंत तक एक सार्थक राशि सुनिश्चित करने के लिए गति में निरंतरता या आगे वृद्धि की निगरानी करना महत्त्वपूर्ण है।

हैवेल्स ने पहली तिमाही में शानदार प्रदर्शन किया, लॉयड कंज्यूमर सेगमेंट ने किया निराश

कच्चे माल और विज्ञापन पर ज्यादा खर्च की वजह से मुनाफे पर पड़ा असर

नई दिल्ली, ।

कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल और ड्यूरेबल्स क्षेत्र की प्रमुख कंपनी हैवेल्स इंडिया ने पहली तिमाही में राजस्व के मामले में शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन उसका परिचालन प्रदर्शन उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा। जहां केबल और वायर, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और अक्षय ऊर्जा कारोबार की वजह से राजस्व वृद्धि अच्छी रही, वहीं लॉयड कंज्यूमर सेगमेंट ने निराश किया। हालांकि कच्चे माल और विज्ञापन पर ज्यादा खर्च की वजह से मुनाफे पर असर पड़ा, लेकिन उम्मीद है कि दूसरी तिमाही में मार्जिन में सुधार होगा, जिसका कारण कीमत वृद्धि और विपणन खर्च सामान्य होना है। पिछले छह महीनों में इस शेयर का प्रदर्शन बीएसई 100 के मुकाबले काफी खराब रहा है। इस दौरान इसमें 16 फीसदी की गिरावट आई, जबकि प्रमुख सूचकांक में 4 फीसदी की कमजोरी रही।रिपोर्ट के मुताबिक ब्रोकरेज कंपनी की लंबी अवधि की संभावनाओं को लेकर सकारात्मक है और उसने 'खरीदें' रेटिंग बरकरार रखी है, लेकिन कीमत लक्ष्य को घटाकर 1,379 रुपए कर दिया है। कंपनी ने जून तिमाही में सालाना आधार पर 19.7 फीसदी की राजस्व वृद्धि दर्ज की। इसमें सभी श्रेणियों में मजबूत मांग का योगदान शामिल रहा। राजस्व में यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से केबल और वायर सेगमेंट में 27 फीसदी की सालाना बढ़त और उसके बाद लॉयड के राजस्व में 15 फीसदी वृद्धि की वजह से हुई। अन्य सेगमेंट में इलेक्ट्रिकल कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और लाइटिंग ने क्रमशः 12 फीसदी और 4 फीसदी की सालाना राजस्व बढ़ोतरी दर्ज की, लेकिन कम निर्यात के कारण स्विचगियर सेगमेंट में 3 फीसदी की सालाना गिरावट आई।

सोने और चांदी की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतें बढ़ती जा रही हैं। बुधवार को भी इन दोनो ही कीमती धातुओं में तेजी रही। आज एमसीएक्स पर 10 ग्राम सोने की कीमतें 1597 रुपए की तेजी के साथ 1,44,480 रुपए पर पहुंच गयीं। वहीं चांदी की कीमत में भी करीब 2376 रुपए की तेजी रही। अब एक किलोग्राम चांदी 2,26,155 रुपए पर आ गयी है।

वहीं सर्राफ बाजार में मंगलवार को हाजिर मांग में तेजी और मजबूत वैश्विक रुख के कारण सोने की कीमतों में 800 रुपए की बढ़ोतरी हुई और यह 1.47 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं स्थानीय कारोबारियों के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 800 रुपए बढ़कर 1,47,700 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) हो गई। सोमवार को यह 1,46,900 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। दूसरी ओर चांदी की कीमत 2,21,500 रुपए प्रति किलोग्राम पर बनी रहीं। पर स्थिर रही।

यूपीआई का अगला पड़ाव, अब बिना इंटरनेट भी करें पेमेंट!

हवाई जहाज से मेट्रो तक, हर जगह चलेगा यूपीआई

नई दिल्ली।

भारत में डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव आने वाला है, जहां यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) एक नई क्रांतिकारी क्षमता के साथ ऑफलाइन भुगतान की सुविधा प्रदान करेगा। यह सुविधा उन ग्राहकों और व्यापारियों के लिए गेम-चेंजर साबित होगी जिनके पास लेनदेन के समय इंटरनेट कनेक्शन उपलब्ध नहीं होगा। घटनाक्रम से अवगत कम से कम तीन लोगों ने इसकी जानकारी दी है।

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा विकसित की जा रही इस तकनीक से उपयोगकर्ता हवाई जहाजों, भूमिगत मेट्रो और दूरदराज के क्षेत्रों में भी नियर फील्ड कम्युनिकेशन (एनएफसी) का उपयोग करके पीओएस (पॉइंट ऑफ सेल) टर्मिनलों पर टैप एंड पे कर सकेंगे। यह नई क्षमता विशेष रूप से तब काम आएगी जब ग्राहक के उपकरण या व्यापारी के पीओएस टर्मिनल पर इंटरनेट कनेक्शन उपलब्ध न हो। इससे हवाई जहाज के भीतर या भूमिगत मेट्रो स्टेशनों जैसी जगहों पर भुगतान करना बेहद आसान हो जाएगा। जानकारी के अनुसार एनपीसीआई इस वर्ष देश के प्रमुख व्यापारी टर्मिनल विनिर्माताओं के पीओएस उपकरणों को प्रमाणित करने की तैयारी में है ताकि ऑफलाइन यूपीआई भुगतान को व्यापक रूप से उपयोग में लाया जा सके। उपयोगकर्ता एनएफसी तकनीक का लाभ उठाते हुए, ऑफलाइन व्यापारी टर्मिनलों पर अपने डिवाइस को टैप करके भुगतान कर सकेंगे। इन लेनदेन की सीमा 2,000 रुपए तक होगी। यह अनुभव बिल्कुल वैसा ही होगा जैसा उपयोगकर्ता वर्तमान में कार्ड-टैप के माध्यम से उड़ानों या अन्य ऑफलाइन सेटिंग्स में करते हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 715, निफ्टी 191 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आयी है। इसके अलावा अमेरिका के आयातित जेनेरिक दवाओं पर टैरिफ लगाने की योजना से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। इससे दवा कंपनियों के शेयरों में खासी गिरावट आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 715.06 अंक टूटकर 76,755.05 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 191.45 अंक नीचे आकर 23,996.25 अंक पर बंद हुआ।

आज बाजार में आई गिरावट से बाजार पूंजीकरण 4 लाख करोड़ रुपये नीचे आकर र 480 लाख करोड़ रुपये ही रह गया। जिससे भी निवेशकों को भारी नुकसान हुआ। आज सेंसेक्स के 30 में से 23 शेयरों में गिरावट रही। एक्सिस बैंक, इन्फोसिस, एसबीआई, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस, अडानी पोर्ट्स, टेक महिंद्रा के शेयर गिरे। वहीं दूसरी ओर, हिंदुस्तान यूनिलीवर, पावरग्रिड, एनटीपीसी, टाइटन, एशियन पेंट्स, आईटीसी के शेयरों में तेजी रही।

आज दवा कंपनियों के शेयरों तें जबरदस्त गिरावट आई। सन फार्मा का शेयर 0.98 फीसदी गिरावट के साथ 1942.95 रुपये पर बंद हुआ। डॉ रेड्डीज लैब का शेयर 1.95 फीसदी गिरकर 1183 रुपये पर बंद हुआ। अरबिंदो फार्मा का शेयर भी 1.99 फीसदी नीचे 1549 रुपये पर बंद हुआ।

निफ्टी में इंडिगो, डॉ. रेड्डीज़ लैबोरेटरीज और जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयर सबसे ज्यादा गिरे। निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप में भी गिरावट दर्ज की गयी। निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी रियल्टी में सबसे ज्यादा गिरावट आई। वहीं, निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी ऑटो में सबसे ज्यादा तेजी देखी गई।

वहीं इससे पहले आज सुबह भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ खुला। सुबह 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में करीब 388 अंक की गिरावट के साथ 77,081 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वहीं 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी गिरावट के साथ ही 24,100 अंक के आसपास बना रहा।

महाराष्ट्र सरकार ला रही है देश का पहला ब्लॉकचेन लैंड कानून

अब जमीन के मूल्य के आधार पर जारी टोकन के जरिए होंगे लेन-देन

नई दिल्ली।

महाराष्ट्र सरकार ने 'महाराष्ट्र डिजिटाइजेशन ऐंड एक्सचेंज ऑफ लैंड टोकन ऐसेट' (डेल्टा) अधिनियम पर कदम बढ़ाना शुरू कर दिया है। इस अधिनियम का मकसद अचल संपत्तियों का ब्लॉकचेन-आधारित टोकनाइजेशन करना है। टोकनाइजेशन जानकारियां सुरक्षित रखने की प्रक्रिया है जिसमें संवेदनशील जानकारियां टोकन में तब्दील कर दी है। राज्य सरकार जमीन की वास्तविक क्षमता या अव्यक्त मूल्य का लाभ लेने और साल 2030 तक 1 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की राह में राजस्व के नए स्रोत तैयार करना चाह रही है। सोमवार को राज्य के सीएम देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई बैठक में राज्य ने प्रस्तावित अधिनियम के मसौदे पर चर्चा की।

इस अधिनियम का मकसद ब्लॉकचेन तकनीक का इस्तेमाल कर जमीन से जुड़ी जानकारियों के डिजिटलीकरण टोकनाइजेशन के लिए एक कानूनी ढांचा तैयार करना है। सीएमओ की तरफ से जारी एक वक्तव्य के मुताबिक फडणवीस ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अचल संपत्तियों की अव्यक्त मूल्य का इस्तेमाल जनहित में करने के लिए नया कानून प्रस्तावित करें। इस समिति में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी), बीएसई और एनएसई के प्रतिनिधियों के साथ-साथ इस क्षेत्र की जानकारी रखने वाले विशेषज्ञ और अनुभवी पेशेवर शामिल होंगे। प्रस्तावित कानून का मकसद एक पूर्ण डिजिटल ढांचा तैयार करना जिसमें अचल संपत्तियों को उनके असल मूल्य के आधार पर टोकन में बदला जा सके।

इससे ब्लॉकचेन तकनीक के जरिये लेन-देन हो सकेंगे जिसमें जमीन के मूल्य के आधार पर जारी किए गए टोकन के जरिए से लेन-देन होंगे।सरकार ने कहा कि इस कानूनी ढांचे का मकसद ऐसे लेन-देन को कानूनी सुरक्षा देना और जायदाद के मालिकाना हक को लेकर स्पष्टता लाना है। फडणवीस ने अधिकारियों से यह भी कहा कि वे कानून को अंतिम रूप देने से पहले परिसंपत्ति टोकेनाइजेशन से जुड़े अंतरराष्ट्रीय कानूनों, नियमों और काम-काज के तरीकों का अध्ययन करें।

सरकार के मुताबिक अगर महाराष्ट्र इस प्रस्ताव पर आगे बढ़ता है तो वह इस तरह का कानून लाने वाला देश का पहला राज्य बन जाएगा।

सीएम ने कहा कि प्रस्तावित कानून सुधारों के मोर्चे पर अग्रणी रहने के महाराष्ट्र के इतिहास को मजबूती से आगे बढ़ाना चाहिए।उन्होंने कहा कि इस नए कानून की मदद से राज्य को शासन और आर्थिक विकास के लिए नई तकनीक अपनाने में भी सक्षम होना चाहिए।

दवा कंपनी ल्यूपिन ने दो ऑन्कोलॉजी कार्यक्रमों को अलग करने की घोषणा की

वैश्विक क्लीनिकल परीक्षणों के जरिये वित्तीय सहायता के लिए बाहर से जुटाएगी फंड

नई दिल्ली, ।

मुंबई की दवा विनिर्माता कंपनी ल्यूपिन ने दो ऑन्कोलॉजी कार्यक्रमों को अलग करने की घोषणा की है। अब ये कार्यक्रम कावेरी थेराप्यूटिक्स में रहेंगे। कावेरी थेराप्यूटिक्स अमेरिका की क्लीनिकल चरण वाली कंपनी है। वह वैश्विक क्लीनिकल परीक्षणों के जरिये उनके विकास की वित्तीय सहायता के लिए बाहर से पूंजी जुटाएगी। दो प्रायोगिक दवाओंङ्क एलएनपी7457 और एलएनपी8701 का एडवांस्ड सोलिड ट्यूमर वाले रोगियों में अध्ययन किया जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक एलएनपी7457 एक प्रोटीन पीआरएमटी5 को अवरुद्ध करती है, जो कुछ कैंसर कोशिकाओं को बढ़ने में मदद करता है, जबकि एलएनपी8701 ट्यूमर के विकास से जुड़े आरएएस सिग्नलिंग मार्ग को निशाना बनाती है। कावेरी का शुरुआती ध्यान फेफड़े, अग्नाशय और डिम्बग्रंथि के कैंसर के साथ-साथ केंद्रीय तंत्रिका तंत्र से जुड़े कैंसर पर होगा।

इस समझौते के तहत दवा विनिर्माता की पूर्ण स्वामित्व वाली अमेरिकी सहायक कंपनी ल्यूपिन इंक कावेरी में अहम इक्विटी हिस्सेदारी बरकरार रखेगी, शुरुआती वित्तीय सहायता देगी और कंपनी को ये दो कार्यक्रम विकसित करने के लिए विशेष अधिकार देगी। ल्यूपिन ने अपनी हिस्सेदारी के आकार, सीड फंडिंग की राशि या लेनदेन की अन्य वित्तीय शर्तों का खुलासा नहीं किया है। कावेरी एक स्वतंत्र इकाई के रूप में काम करेगी और क्लीनिकल विकास की वित्तीय सहायता के लिए अतिरिक्त पूंजी जुटाएगी। यह संरचना ल्यूपिन को परिसंपत्तियों में आर्थिक हित बनाए रखने की अनुमति देती है।

बैलेंस्ड हाइब्रिड फंड के अब बदलेंगे दिन, सेबी के नए नियम के बाद नई स्कीमें होंगी लॉन्च

नई दिल्ली, ।

बैलेंस्ड हाइब्रिड फंड अभी तक 1,000 करोड़ रुपए से थोड़ी ज़्यादा परिसंपत्ति वाले सबसे छोटे म्युचुअल फंड हैं, अब इनके दिन बदलने वाले हैं।

ऐसा इसलिए है कि फंड कंपनियां नई योजनाएं शुरू करने की तैयारी में हैं। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्युचुअल फंड ने हाल ही में इस श्रेणी में एक स्कीम लॉन्च की है

जबकि एसबीआई और कोटक फंड को इस संबंध में नियामकीय मंजूरी मिल गई है। वे जल्द ही अपनी स्कीम लॉन्च करेंगे। सेबी की 2017 की योजना श्रेणीकरण प्रक्रिया के बाद से यह श्रेणी हाशिये पर रही है। इस प्रक्रिया के तहत फंड कंपनियों को एग्रेसिव हाइब्रिड फंड और बैलेंस्ड हाइब्रिड फंड में से किसी एक को चुनना था।ज्यादातर फंड हाउस ने एग्रेसिव हाइब्रिड स्कीम को चुना क्योंकि इनमें कम से कम 65 फीसदी इक्विटी निवेश किया जा सकता है,

जिससे उनको कर के मकसद से इक्विटी-ओरिएंटेड फंड की पात्रता मिल जाती है। बैलेंस्ड हाइब्रिड फंड, इक्विटी और डेट में 40-60 फीसदी निवेश करते हैं। वे इक्विटी निवेश बढ़ाने के लिए आर्बिट्राज का इस्तेमाल नहीं करते हैं

और इसलिए उन पर नॉन-इक्विटी फंड के तौर पर टैक्स लगता है, लेकिन 2024 में पूंजीगत लाभ कर में बदलावों के बाद कर से जुड़ा नुकसान कम हो गया है।

अब बैलेंस्ड हाइब्रिड फंडों पर दो साल तक होल्ड करने के बाद लंबी अवधि के पूंजीगत लाभ पर 12.5 फीसदी कर लगता है, जिससे इनकी कर दर इक्विटी फंडों के बराबर हो गई है,

लेकिन इक्विटी योजनाओं के लिए होल्डिंग का समय एक साल से ज्यादा होना जरूरी है। कर संबंधी नुकसान कम होने के बावजूद फंड हाउस संतुलित हाइब्रिड फंड लॉन्च करने में असमर्थ थे क्योंकि ज्यादातर फंड हाउस पहले से ही आक्रामक हाइब्रिड योजनाएं पेश कर दी थीं। इस साल की शुरुआत में सेबी ने फंडों को दोनों श्रेणियों की योजनाएं पेश करने की अनुमति दे दी जिसके बाद से स्थिति बदल गई। उद्योग जगत के जानकारों का कहना है कि बैलेंस्ड एडवांटेज फंड के समान दिखने के बावजूद इस श्रेणी की हाइब्रिड फंडों के बीच खास विशेषता है।

2028 से आयातित जेनेरिक दवाओं पर भारी आयात शुल्क लगाएगा अमेरिका

ट्रंप ने कहा- 100 फीसदी लगाएंगे शुल्क, इस फैसले से भारत पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली, ।

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने बुधवार को घोषणा की कि अमेरिका अगस्त 2028 से आयातित जेनेरिक दवाओं पर भारी आयात शुल्क लगाएगा। उन्होंने कहा कि इस कदम का मकसद जेनेरिक दवाओं के उत्पादन को दोबारा अमेरिका में बढ़ावा देना है। इस फैसले का असर भारत पर भी पड़ सकता है, क्योंकि भारत अमेरिका को जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा निर्यातक है। ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि 1 अगस्त 2026 से अमेरिका में आयात होने वाली सभी जेनेरिक दवाओं पर अगले दो सालों तक कोई आयात शुल्क नहीं लगाया जाएगा। इसके बाद एक साल के लिए 100 फीसदी शुल्क लगाया जाएगा और उसके बाद इसे बढ़ाकर 200 फीसदी कर दिया जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने कहा कि यह फैसला इसलिए लिया गया है ताकि जेनेरिक दवाओं का उत्पादन दोबारा अमेरिका में शुरू हो, जिन कंपनियों को तय समय के अंदर अमेरिका में अपने संयंत्र और उपकरण स्थापित नहीं करेंगे, उन्हें इस शुल्क का सामना करना पड़ेगा। ट्रंप ने कहा कि इस नीति का मसकद अमेरिका के लोगों के हितों की रक्षा करना है। ट्रंप ने यह भी साफ किया कि पेटेंट वाली, ब्रांडेड या नवोन्मेषी दवाओं से जुड़ी मौजूदा नीति में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। ट्रंप लगातार दवा कंपनियों से अपनी उत्पादन इकाइयां अमेरिका में स्थापित करने की अपील करते रहे हैं। इसी दिशा में उनकी सरकार ने अप्रैल 2025 में ट्रेड एक्सपेंशन एक्ट के तहत राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर दवा उद्योग की जांच भी शुरू की थी। इस जांच का मकसद यह आकलन करना था कि आयातित दवाओं पर अमेरिका की निर्भरता राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए कितना जोखिम पैदा करती है।

भारत को दुनिया के कई देशों को जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति करता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक 2025 में भारत ने अमेरिका को 9.7 अरब डॉलर मूल्य की दवाओं का निर्यात किया।

नकदी अंतरण योजनाओं ने लाभार्थियों की बचत और व्यय में काफी इजाफा किया

कई राज्य अब बड़े पैमाने पर लाभार्थी डेटाबेस की छंटाई कर रहे, बढ़ी चिंता

नई दिल्ली, ।

चंद सप्ताह पहले पीएम मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद के एक कार्यपत्र में पाया गया कि महाराष्ट्र और ओडिशा में महिलाओं पर केंद्रित नकदी अंतरण योजनाओं ने लाभार्थियों की बचत और व्यय में काफी इजाफा हुआ और इसके साथ ही परिवार के अन्य सदस्यों की वित्तीय स्थिति में भी सुधार आया।

भारत में 'महिलाओं को बिना शर्त नकदी अंतरण कार्यक्रमः महाराष्ट्र और ओडिशा के प्रमाण' शीर्षक वाले इस पत्र में पाया कि महाराष्ट्र की मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिण योजना के कारण महीने के अंत में लाभार्थियों के बैंक खाते में बची राशि में 84 फीसदी या करीब 6,884 रुपए बढ़े जबकि मासिक व्यय 46 फीसदी यानी 1,349 रुपए बढ़ा।ओडिशा की सुभद्रा योजना के कारण मासांत की बैंक खाता राशि 45 फीसदी बढ़कर 6,887 रुपए हो गई जबकि व्यय में 28 फीसदी यानी 1,920 रुपए की बढ़त हुई। ये नतीजे इस बात पर बल देते हैं

कि महिलाओं को नियमित नकद अंतरण तमाम सामाजिक-आर्थिक संकेतकों पर सुधार दर्शाता है।कुछ साल पहले नैशनल ब्यूरो ऑफ इकनॉमिक रिसर्च के एक कार्यपत्र 'लैंगिक समानता और बाल विकास के लिए मातृत्व नकदी अंतरणः भारत में प्रयोगों के प्रमाण' ने बड़े पैमाने पर किए गए यादृच्छिक मूल्यांकन के आधार पर पाया कि नकद अंतरण प्राप्त करने वाले परिवारों में माताओं और बच्चों के कैलोरी सेवन में 9.6–15.5 फीसदी वृद्धि दर्ज की गई। साथ ही आहार विविधता और पोषक तत्वों की खपत में भी सुधार हुआ।रिपोर्ट के मुताबिक भोजन की खपत में लैंगिक असमानताएं भी कम हुई। शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि बच्चों के कार्यात्मक विकास में उल्लेखनीय सुधार हुआ, हालांकि औसत रूप से ऊंचाई और वजन आदि में सुधार नहीं हुआ।

एआई नियम अब और होंगे सख्त! डेटा अधिकार में बड़े बदलाव पर विचार कर रही सरकार

नई दिल्ली, ।

केंद्र सरकार आईटी एक्ट, 2000 और इंडिया एआई गवर्नेंस गाइडलाइंस की समीक्षा कर रही है ताकि इनमें कमियों की पहचान की जा सके। सूत्रों के मुताबिक इन कमियों को दूर करने के लिए प्रस्तावित नए एआई कानून में जरूरी प्रावधान किए जाएंगे, जिस पर सरकार काम कर रही है।

सूत्रों के मुताबिक सबसे अहम मुद्दों में से एक यह है कि फ्रंटियर एआई मॉडल और टूल्स विकसित करने वाली कंपनियों की जिम्मेदारी तय करने का ढांचा कैसा हो और क्या उन्हें भी सेफहार्बर का कानूनी संरक्षण दिया जाना चाहिए। एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि हम इस बात पर विचार कर रहे हैं कि इसका ढांचा कैसा होना चाहिए। अभी सामान्य समझ यह है कि ये सभी कंपनियां इंटरनेट इंटरमीडियरी की व्यापक श्रेणी में आती हैं, लेकिन केवल यह कहना कि वे सिर्फ एक टूल उपलब्ध कराती हैं।

और उस टूल से तैयार होने वाले कंटेंट के लिए जिम्मेदार नहीं हैं, उचित तर्क नहीं माना जा सकता।सूत्रों ने बताया कि प्रस्तावित एआई कानून में सिंथेटिक मीडिया के रेगुलेशन, फ्रंटियर एआई मॉडल और टूल्स के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले डेटा पर सहमति की व्यवस्था और लार्ज लैंग्वेज मॉडल व स्मॉल लैंग्वेज मॉडल द्वारा प्रोसेस किए गए डेटा के मालिकाना हक जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हो रही है। इस साल की शुरुआत में सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव की अध्यक्षता में 10 सदस्यीय एआई गवर्नेंस एंड इकोनॉमिक ग्रुप का गठन किया था। इसके अलावा एआईजीईजी के तहत टेक्नोलॉजी एंड पॉलिसी एक्सपर्ट कमेटी भी बनाई गई।

सीरीज शुरू होने से एक दिन पहले जिम्बाब्वे ने घोषित की टीम, त्सिगा को मौका

हरारे, एजेंसी। भारत के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे टीम का एलान कर दिया गया है। दिलचस्प बात यह है कि दोनों टीमों के बीच पहला मैच गुरुवार को होगा और इससे एक दिन पहले ही टीम घोषित हुई है। 15 सदस्यीय टीम में पहली बार विकेटकीपर बल्लेबाज तफादजवा त्सिगा को शामिल किया गया है। इसके साथ ही ऑलराउंडर वेस्ली मधेवेरे और पेसर न्यूमैन न्यामहुरी की जिम्बाब्वे टी20 टीम में वापसी हुई है।

ये तीनों खिलाड़ी क्लाइव मडेंडे, टिनोटेंडा मापोसा और ताशिंगा मुसेकिवा की जगह टीम में आए हैं, जो हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ खेलने वाली टीम का हिस्सा थे। टी20 सीरीज का पहला मुकाबला 23 जुलाई को खेला जाना है। वहीं, दूसरा मैच 25 जुलाई और अंतिम मैच 26 जुलाई को होगा। सीरीज के सभी मुकाबलों की मेजबानी हरारे का हरारे स्पोर्ट्स क्लब मैदान करेगा।

जिम्बाब्वे की ओर से 10 टेस्ट मैच खेल चुके त्सिगा ने अब तक सफेद गेंद की क्रिकेट में अपना डेब्यू नहीं किया है। बांग्लादेश सीरीज के दौरान टेस्ट और वनडे टीम में शामिल रहे मधेवेरे जुलाई 2025 के बाद पहली बार टी20 टीम में लौटे हैं। वह अब तक जिम्बाब्वे की ओर से कुल 79 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेल चुके हैं। वहीं, न्यामहुरी चोट से उबरने के बाद टीम में वापसी कर रहे हैं। चोट के चलते वह बांग्लादेश के खिलाफ हुई वनडे सीरीज में

टीम का हिस्सा नहीं रहे थे। न्यामहुरी की जगह बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज में हिस्सा लेने वाले तनाका चिवांगा टीम में अपनी जगह बनाए रखने में सफल रहे हैं।

सिकंदर रजा करेंगे अगुआई

टीम की कमान सिकंदर रजा के हाथों में सौंपी गई है। बांग्लादेश के खिलाफ रजा की अगुआई में जिम्बाब्वे का प्रदर्शन शानदार रहा था। टीम ने एकमात्र टेस्ट और वनडे सीरीज को दमदार प्रदर्शन करते हुए अपने नाम किया था। हालांकि, टी20 सीरीज में जरूर जिम्बाब्वे को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। मेजबान टीम के सामने भारत की मुश्किल चुनौती होगी। हालांकि, टीम इंडिया को हाल ही में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ करारी हार का सामना करना पड़ा है। भारत और जिम्बाब्वे की आखिरी भिड़ंत टी20 विश्व कप 2026 के सुपर 8 स्टेज में हुई थी, जहां भारत ने जिम्बाब्वे को 72 रनों से हराया था।

भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे टीम: सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, तनाका चिवांगा, बेन करन, ब्रैड इवांस, वेस्ली मधेवेरे, तदीवानाशे मारुमानी (विकेटकीपर), वेलिंगटन मसाकाद्जा, ब्लेसिंग मुजारबानी, डियोन मायर्स, रिचर्ड नगारवा, न्यूमैन न्यामहुरी, मिल्टन शुम्बा, और तफादजवा त्सिगा (विकेटकीपर)।

लगातार तीसरा स्वर्ण जीतने पर टिकीं मीराबाई चानू की निगाहें, 48 किलो वर्ग में होगा आखिरी टूर्नामेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता और स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू ग्लासगों में 26 जुलाई को इतिहास रचने उत्तरेंगी। चानू लगातार तीसरे राष्ट्रमंडल खेल में स्वर्ण जीतने उतरेंगी, जो उनका लगातार चौथा पदक होगा। फिर भी उनकी निगाहें राष्ट्रमंडल से ज्यादा एशियाई खेलों पर हैं। बर्मिंघम में तैयारी कर रहीं मीरा ने अमर उजाला को बताया कि किसी भी बड़े खेल से पहले खिलाड़ी की कोशिश उच्चस्तरीय फॉर्म पाने की रहती है, लेकिन वह ग्लासगो में ज्यादा जोर नहीं लगाएंगी। उनकी 200 किलो वजन उठाने की भी कोशिश नहीं रहेगी। वह अपनी पीक 19 सितंबर से होने वाले एशियाई खेलों में हासिल करेंगी, जहां उनकी कोशिश अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ (205 किलोग्राम वजन) को पीछे छोड़ने की होगी।

एशियाड में 49 किलो में खेलेंगी चानू

चानू ग्लासगों में 48 किलो में खेलेंगी, जबकि एशियाड में उन्हें 49 किलो में खेलना है। चानू को मालूम है कि यह 48 किलो में उनका अंतिम टूर्नामेंट है। यह भार अब ओलंपिक से बाहर हो गया है। मीरा ने इस भार में साल 2014 में रजत, 2018 में गोल्डकोस्ट में स्वर्ण और 49 किलो में बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। चानू कहती हैं कि वह फुल लोड नहीं लेकर एशियाड के लिए अच्छी तरह रिकवरी करना चाहती हैं।

चाहकर भी नहीं बन पा रही थीं ध्वजवाहक

चानू पहली बार भारतीय दल की ध्वजवाहक बनने जा रही है। मीरा कहती हैं हैं कि उनका सपना था कि वह किसी खेल के उद्घाटन समारोह में तिरंगा उठाएं। हमेशा उद्घाटन के अगले दिन कंपटीशन रहने के चलते वह चाहकर भी ध्वजवाहक नहीं बन पाती थीं। इस बार कंपटीशन समारोह के बाद है, जिससे उन्हें यह मौका मिल गया। भारतीय टीम के कोच विजय शर्मा के मुताचिक, मीरा के सामने नाइजीरिया की रूथ असोडको और मलयेशिया की इरिन जेन हेनरी की चुनौती हैं। रूथ ने बीते वर्ष भारत में राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में 167 किलो से रजत और इरिन ने 161 किलो से कांस्य जीता था। ऐसे में मीरा के सामने यहां बड़ी चुनौती नहीं है।

कुलदीप ने काउंटी क्लब यॉर्कशायर से किया करार

लीड्स। भारतीय टीम के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने बुधवार को इंग्लिश काउंटी क्लब यॉर्कशायर से करार किया है। कुलदीप मौजूदा सीजन में टीम के लिए आठ मुकाबले खेलेंगे। कुलदीप पिछले कुछ समय से भारतीय प्लेइंग-11 का हिस्सा नहीं बन रहे हैं। लेकिन अब वह काउंटी क्रिकेट में खेलेंगे। कुलदीप वनडे कप के पांच मैच खेलने के साथ ही तीन लाल गेंद क्रिकेट के मुकाबले खेलेंगे।

यॉर्कशायर क्लब ने अपनी वेबसाइट पर जानकारी देते हुए कहा, यॉर्कशायर काउंटी क्रिकेट क्लब को भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव को विदेशी खिलाड़ी के तौर पर साइन करने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। 31 साल के कुलदीप वन डे क' के पांच मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे और इसके बाद सितंबर में काउंटी चैंपियनशिप के आखिरी चार में से तीन मैचों के लिए हेडिंग्ले लौटेंगे।

यॉर्कशायर से जुड़ने पर उत्सुक कुलदीप

यॉर्कशायर से जुड़ने पर कुलदीप ने कहा, यॉर्कशायर से जुड़कर मुझे बहुत खुशी हो रही है और मैं इस मौके के लिए आभारी हूं। यॉर्कशायर के गौरवशाली इतिहास वाले क्लब का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सचमुच सम्मान की बात होगी। मुझे हमेशा से इंग्लिश कंडिशन्स में खेलने की चुनौती पसंद रही है और मैनेजमेंट से बात करने के बाद मैं टीम से जुड़ने के लिए बहुत उत्साहित हो गया हूं।

अनुष्का के साथ वृंदावन पहुंचे कोहली, प्रेमानंद महाराज के किए दर्शन, कीचड़ में नंगे पैर चले

वृंदावन। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए। कोहली बुधवार को पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ वृंदावन पहुंचे जहां दोनों ने प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए। कोहली इससे पहले आईपीएल 2026 खत्म होने के बाद भी प्रेमानंद महाराज का आशीर्वाद लेने पहुंचे थे। मालूम हो कि आरसीबी ने इस सीजन खिताब अपने नाम किया था। 29 जुलाई को गुरू पूर्णिमा है और इससे पहले ही कोहली ने अनुष्का संग प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए हैं।

कोहली और अनुष्का को श्री हित राधा केली कुंज आश्रम में नंगे पैर घूमते हुए देखा गया और उनके इस दौरे के वीडियो तेजी

से सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। ऑनलाइन वायरल हो रहे कई वीडियो में इन दोनों को कड़ी सुरक्षा के बीच आश्रम पहुंचते हुए देखा जा सकता है। अनुष्का और विराट दोनों ने ही फेस मास्क पहनकर अपनी पहचान छिपाने की कोशिश की। आश्रम से बाहर निकलते समय विराट और अनुष्का ने हाथ में प्रसाद लिया हुआ था और वे कीचड़ भरे रास्तों पर नंगे पैर चल रहे थे।

प्रेमानंद महाराज के दर्शन लिए अनुष्का ने सिंपल सफेद सलवार-सूट पहना, जबकि विराट टी-शर्ट और पैंट में कैजुअल लुक में नजर आए। प्रेमानंद महाराज का आशीर्वाद लेने से पहले, यह दोनों आश्रम परिसर में घूमते हुए दिखे। कोहली और अनुष्का की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

रोहित ने लगाई लंबी छलांग नंबर-1 की दौड़ हुई रोमांचक

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड दौरे पर लॉर्ड्स में खेली गई शानदार 138 रन की पारी का इनाम भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को आईसीसी वनडे बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में मिला है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) द्वारा जारी साप्ताहिक रैंकिंग में रोहित 14 रेटिंग अंक की बढ़त के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं और अब वह शीर्ष स्थान की दौड़ में मजबूती से शामिल हो गए हैं।

डेरिल मिचेल का दबदबा

फिलहाल न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल 802 रेटिंग अंकों के साथ नंबर-1 बल्लेबाज बने हुए हैं। भारत के शुभमन गिल 801 अंकों के साथ महज एक अंक पीछे दूसरे स्थान पर हैं, जबकि विराट कोहली 767 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर कायम हैं। रोहित शर्मा 758 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

ऐतिहासिक शतक का मिला इनाम

रोहित शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और निर्णायक वनडे में 110 गेंदों पर 138 रन की विस्फोटक पारी खेली थी। इस दौरान उन्होंने 17 चौके और पांच छक्के लगाए। खास बात यह रही कि वह लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर वनडे शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने। भारत को 388 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करना था। हालांकि रोहित की शानदार पारी के बावजूद टीम इंडिया 27 रन से मुकाबला हार गई और तीन मैचों की सीरीज 1-2 से गंवा बैठी।

संन्यास की अटकलों पर रोहित का जवाब

सीरीज के निर्णायक मुकाबले से पहले रोहित शर्मा के वनडे भविष्य को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। लेकिन उन्होंने अपने बल्ले से सभी सवालों का जवाब दिया। मैच के बाद रोहित ने कहा, 'जब से मैंने डेब्यू किया है, तब से मेरे बारे में बातें होती रही हैं और जब तक मैं खेलूंगा, होती रहेंगी। मेरे लिए सबसे अहम बात मैदान पर प्रदर्शन करना और टीम की सफलता में योगदान देना है। अगर शोर नहीं होगा तो मजा भी नहीं आएगा।'

इंग्लैंड को भी हुआ फायदा

भारत-इंग्लैंड वनडे सीरीज के बाद इंग्लैंड के कई खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। जो रूट 249 रन बनाने के बाद चार स्थान की छलांग लगाकर आठवें नंबर पर पहुंच गए। बेन डकेट 11 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 19वें स्थान पर पहुंच गए। जैकब बेथेल पांच स्थान की बढ़त के साथ 64वें स्थान पर पहुंच गए। वहीं गेंदबाजों की रैंकिंग में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनसे ऊपर अफगानिस्तान के राशिद खान पहले और पाकिस्तान के अबरार अहमद दूसरे स्थान पर हैं।

भारत के लिए सकारात्मक संकेत

ताजा आईसीसी वनडे बल्लेबाज रैंकिंग में भारत के तीन बल्लेबाज शुभमन गिल, विराट कोहली और रोहित शर्मा टॉप-4 में शामिल हैं। इससे साफ है कि भारतीय बल्लेबाजी इस समय विश्व क्रिकेट में सबसे मजबूत इकाइयों में से एक बनी हुई है। खास तौर पर गिल और रोहित की हालिया फॉर्म ने नंबर-1 रैंकिंग की जंग को बेहद रोमांचक बना दिया है।

इंग्लैंड में नहीं चला बल्ला, जिम्बाब्वे के खिलाफ दम दिखाने के लिए तैयार वैभव, आत्मविश्वास बरकरार

हरारे। भारतीय बल्लेबाजी के उभरते युवा सितारे वैभव सूर्यवंशी ने स्वीकार किया है कि पिछले चार महीनों में उनके करियर में कई उतार-चढ़ाव आए हैं। हालांकि, जिम्बाब्वे के खिलाफ गुरुवार से शुरू हो रही टी20 सीरीज से पहले वैभव का आत्मविश्वास पूरी तरह से बरकरार है। भारत और जिम्बाब्वे के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज होनी है जिसका पहला मैच गुरुवार को हरारे में खेला जाएगा।

टीम में बनाई जगह

15 वर्षीय सूर्यवंशी ने आईपीएल में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत के आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे की टी20 टीम में जगह बनाई थी। बेलफास्ट में आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की सीरीज में उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में दूसरे टी20 में उन्होंने अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया। इसके साथ ही वह सचिन तेंदुलकर के लंबे समय से चले आ रहे रिकॉर्ड को तोड़कर भारत के लिए डेब्यू करने वाले सबसे युवा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बन गए।इसके बाद वैभव ने अगले तीन मैच खेले, लेकिन वह केवल मामूली स्कोर ही बना सके। पांचवें और अंतिम टी20 में संजू सैमसन की वापसी के बाद उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया गया। भारत यह सीरीज 0-4 से हार गया। महज तीन पारियों के बाद युवा सलामी बल्लेबाज को बाहर करने के टीम प्रबंधन के फैसले पर कई पूर्व क्रिकेटरों ने सवाल उठाए और आलोचना की। अंतिम मैच से बाहर किए जाने के बाद यह युवा खिलाड़ी भावुक नजर आया था। कम उम्र में ऐसी निराशाओं का सामना करने पर सूर्यवंशी ने बताया कि आसपास के लोगों से मिले समर्थन ने उन्हें आगे बढ़ने और ध्यान केंद्रित करने में मदद की।

प्रक्रिया का पालन जरूरी

सूर्यवंशी ने बीसीसीआइ डॉट टीवी से कहा, हां, पिछले चार महीनों में कई उतार-चढ़ाव आए हैं। यह क्रिकेट का हिस्सा है और ऐसा होता रहेगा। लेकिन मुझे प्रक्रिया का पालन करना है और टीम के लिए अपना 100 प्रतिशत देना है। यह एक स्वाभाविक बात है कि मुझे जिस मार्गदर्शन या अभ्यास की आवश्यकता है, कोच मुझे वह उपलब्ध करा रहे हैं। बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं और आत्मविश्वास भी है।फरवरी में भारत के सफल अंडर-19 विश्व कप अभियान में सूर्यवंशी की अहम भूमिका रही थी। इसी मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में उन्होंने महज 80 गेंदों में 175 रनों की तूफानी पारी खेलकर भारत को चैंपियन बनाया था। इस मैदान की यादों को साझा करते हुए उन्होंने कहा, यह मेरे लिए एक बहुत ही यादगार मैदान है। सिर्फ चार महीने पहले हमने यहां अंडर-19 विश्व कप का फाइनल खेला और जीता था। भारत का प्रतिनिधित्व करना हर किसी का सपना होता है और यह एक बहुत खास पल है।

जानकारी

क्यों आते हैं खर्राटे?

दिनभर की भागदौड़ के बाद रात को जब बिस्तर पर सोने जाते हैं, तो खर्राटे आपको सोने नहीं देते, लेकिन आप यह सोचते हैं कि आपको तो खर्राटे आते ही नहीं। पर यह बात आपको कोई दूसरा ही बता सकता है। खर्राटों से हैं परेशान तो ऐसे करें इलाज, जानें क्यों आते हैं?

खर्राटों से हैं परेशान तो ऐसे करें समाधान

समय पर न सोने की वजह से भी आ सकते हैं खर्राटे। बढ़ता वजन भी खर्राटे की वजह बनता है। अनहेल्दी लाइफस्टाइल से भी खर्राटे आते हैं दिनभर की भागदौड़ के बाद रात को जब बिस्तर पर सोने जाते हैं, तो खर्राटे आपको सोने नहीं देते, लेकिन आप यह सोचते हैं कि आपको तो खर्राटे आते ही नहीं। पर यह बात आपको कोई दूसरा ही बता सकता है। दिन भर की थकान या और भी कई दूसरे कारण खर्राटों की समस्या को पैदा कर देते हैं। क्या आपने भी अपने खर्राटों से दूसरों की नींद खराब कर रखी है या किसी के खर्राटों से रोजाना आपकी नींद खराब हो रही है, तो नीचे दिए गए इन टिप्स को अपनाएं, लेकिन उससे पहले जानें कि खर्राटों की इतनी अजीबो-गरीब आवाजें आती क्यों हैं? इसका कारण (Snoring Causes) है आपके शरीर को ऑक्सिजन पहुंचाने वालों रास्तो का संकरा होना। इसमें आपके गले का पिछला हिस्सा संकरा हो जाता है, इस वजह से ऑक्सिजन संकरी जगह से होती हुई शरीर में पहुंचती है, जिससे आसपास के टिशू वाइब्रेट होते हैं और इससे आवाजें निकलती हैं।

इन 5 तरीकों से जानें कैसे रोकें खर्राटे?

वजन कम करके

कभी-कभार गले में चर्बी के बढ़ने की वजह से भी खर्राटे आते हैं, क्योंकि इससे गले के जरिए शरीर में जाने वाली हवा गले के टिशू में कंपन पैदा करती है।

शराब न पीकर

कई लोगों को शराब की वजह से भी खर्राटे आते हैं। इसीलिए सोने के दो से तीन घंटों पहले शराब न पिएं।

समय पर नींद लेकर

बेवक्त सोने वाले लोगों में भी खर्राटे लेने की समस्या होती है, इसीलिए रोजाना सही वक्त और 7 से 8 घंटों की नींद लेनी चाहिए।

दमा और सर्दी ठीक करके

अस्थमा और सर्दी से परेशान लोगों को भी खर्राटे की परेशानी होती है, क्योंकि उनकी स्वास नली संकरी हो जाती है जिससे गले से आवाजें आती हैं।

स्वस्थ लाइफस्टाइल अपनाकर

खराब डेली लाइफ की वजह से भी खर्राटों की परेशानी होती है। बेवक्त खाना-पीना, ठीक से आराम न करना, सिगरेट आदि भी खर्राटों की वजह बनते हैं।

मेलेनोमा कैंसर के बड़े कारणों के पीछे जीन्स भी हैं जिम्मेदार

शोध में हुआ खुलासा

मेलेनोमा एक प्रकार का कैंसर है, जो बोन मेरो के प्लाज्मा सेल्स में विकसित होता है। मेलेनोमा को मैलीगनेंट (घातक) मेलेनोमा भी कहा जाता हैं। मेलेनोमा का प्राथमिक कारण सूर्य के किरणों के साथ आने वाले यूवी रेज हैं। पर शोधकर्ताओं की मानें तो, 22 प्रकार के अलग-अलग जीन हैं, जो यह निर्धारित करने में मदद करते हैं कि किसी व्यक्ति में मेलेनोमा होने के पीछे कितना यूवी रेज का हाथ है। दरअसल जब सूर्य से आने वाली परबैंगनी प्रकाश (यूवी रेंज) त्वचा के निम्न-स्तर वाले सेल्स पर पड़ती हैं, तो मेलेनोमा खतरा बढ़ जाता हैं। यूवी प्रकाश या तो सूर्य से या फिर अन्य टैनिंग स्त्रोतों से आ सकता हैं। इसी को लेकर शोध में कहा गया है कि मेलेनोमा किसी को सिर्फ यूवी रेज के कारण नहीं होता है, बल्कि इसके पीछे कुछ अनुवांशिक कारण भी हैं। आइए हम आपको बताते हैं इस शोध के बारे में।

क्या कहता है शोध?

ब्रिटिश जर्नल, जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी में प्रकाशित इस शोध की मानें, तो लोगों के जीन इस बात को तय करते हैं कि वे कितने यूवी सेंसिटिव हैं। शोध में कहा गया है कि जिन लोगों को मेलेनोमा कैंसर हुआ है, उसके एक कारणों में उनकी आनुवंशिकी यानी कि जीन फेक्टर भी शामिल हैं। मेलेनोमा के जोखिम वाले लोगों के लिए, बचपन से ही सूर्य की किरणों के प्रति सेंसिटिव होना एक मजबूत कारणों में से एक है। ऑस्ट्रेलिया में दुनिया में त्वचा कैंसर की दर सबसे अधिक है। हर साल 12,000 से अधिक ऑस्ट्रेलियाई लोगों को आक्रामक मेलेनोमा का निदान किया जाता है, जो बीमारी का सबसे घातक रूप में होते हैं। क्यूआईएमआर बरगॉफर मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट के कैंसर नियंत्रण समूह के प्रमुख शोधकर्ता प्रोफेसर डेविड व्हिटमैन ने कहा कि अवधारणा को अच्छी तरह से समझने के लिए, अध्ययन में त्वचा कैंसर के सबसे बड़े अनुवांशिक अध्ययन क्यूस्किन के डेटा का उपयोग किया गया, ताकि यह पता लगाया जा सके कि जीन और सूर्य के संपर्क ने एक व्यक्ति को कैसे प्रभावित किया। व्हिटमैन ने कहा कि अध्ययन के निष्कर्ष बताते हैं कि जीन से प्रभावित लोग त्वचा कैंसर के शिकार ज्यादा होते हैं, क्योंकि ऐसे लोग बचपन से ही ऑस्ट्रेलिया के धूप जलवायु के जोखिम को संभाल नहीं पाते, इसलिए मेलेनोमा के शिकार हो जाते हैं।

मेलेनोमा के जोखिम को बढ़ाने वाले अन्य कारकों में शामिल हैं

- **गोरी त्वचा**- अगर आपकी त्वजा गोरी है, तो आप मेलेनोमा को विकसित करने की अधिक संभावना रखते हैं, उनकी तुलना में जो ड्राक शेड्स के हैं। मेलेनोमा गहरे रंग के लोगों में भी विकसित हो सकता है, जिसमें हिस्पैनिक -लोग और काले लोग भी शामिल हैं।
- **सनबर्न का इतिहास**- एक या एक से अधिक गंभीर ब्लिस्टरिंग सनबर्न आपके मेलेनोमा के जोखिम को बढ़ा सकते हैं।
- यूवी रेज का जोखिम
- भूमध्य रेखा के करीब या अधिक ऊंचाई पर रहना
- मेलेनोमा का एक पारिवारिक इतिहास

गर्म जगहों पर पैदा होने वालों में 50 प्रतिशत बढ़ जाता है मेलानोमा का खतरा

शोधकर्ताओं की मानें, तो लोगों में आनुवांशिक कारण से मेलानोमा का खतरा 50 प्रतिशत बढ़ जाता है। ऐसे में ये लोग भले ही बहुत देर तक धूप में न रहते हों पर इनके जीन सूर्य की किरणों के प्रति सेंसिटिव है, इसलिए इन्हें मेलेनोमा कैंसर हो सकता है। शोध में कहा गया है कि कुछ आंकड़ों से पता चलता है कि जो लोग गर्म जगह में पैदा होते हैं और बड़े होते हैं, उनमें मेलानोमा का खतरा 50 प्रतिशत बढ़ जाता है, जबकि जो लोग वयस्कों के रूप में ऑस्ट्रेलिया में पलायन करते हैं, जिनके जीन समान होते हैं, उनमें घातक बीमारी विकसित होने की संभावना कम होती है। शोध में इस बात की भी पुष्टि हुई है कि लगभग 20 साल की उम्र तक यूवी रेज के ज्यादा संपर्क में रहना उच्च आनुवांशिक जोखिम वाले लोगों के लिए विशेष रूप से खतरनाक है, क्योंकि यह मेलानोमा को ट्रिगर करता है और ऐसे लोग एक उम्र में जाकर मेलेनोमा के शिकार हो जाते हैं।

सेहत

तेजी से लोकप्रिय हो रही घी कॉफी, जानिए इसके फायदे

प्राचीन काल से घी का उपयोग भारतीय व्यंजनों और आयुर्वेदिक चिकित्सा में किया जाता है। कॉफी में घी डालने से इसके गुण कई गुना बढ़ जाते हैं। जैसे - यह वजन घटाने में मदद करता हैं। बटर कॉफी की तुलना में घी कॉफी बहुत अधिक पौष्टिक और मीठी मानी जाती है।

जानिए घी कॉफी के फायदे

एसिडिटी से राहत: बहुत से लोगों को खाली पेट कॉफी पीना मुश्किल हो जाता है, क्योंकि इससे एसिडिटी होती है, लेकिन इसमें थोड़ा-सा घी डालने से एसिडिटी और जलन से राहत मिलती है। घी मिलाने से कॉफी ब्यूटिरिक एसिड और ओमेगा 3 फैटी एसिड से भरपूर हो जाती है, जो स्वास्थ्य के लिए अच्छे होते हैं और हेल्दी मेटाबॉलिज्म में मदद करता है।

वजन घटाने में सहायक: अगर आप कीटो डाइट पर हैं तो सुबह घी कॉफी पीने से वजन घटाने में मदद मिल सकती है। यदि आपका शरीर कीटोसिस में नहीं है और आप घी कॉफी पी रहे हैं, तो वजन बढ़ेगा। यानी जो लोग वजन बढ़ाना चाहते हैं, वो इस तरह लाभ ले सकते हैं। कॉफी संतुष्टि प्रदान करती है और घी में शून्य कार्बोहाइड्रेट होता है। साथ हीओमेगा 3 और ओमेगा 6 फैटी एसिड वजन कम करने के लिए उपयोगी हो सकते हैं।

मूड में सुधार: घी में मौजूद ओमेगा 3 फैटी एसिड तंत्रिका ऊतक (नर्व टिश्यू) की वृद्धि और कार्य के लिए फायदेमंद होता है। यह हार्मोन उत्पादन में सुधार करती है, जिससे मूड स्थिर और खुश रहता है।

लैक्टोज का विकल्प: घी उन लोगों के लिए शानदार विकल्प है, जो लैक्टोज का सेवन नहीं कर पाते हैं, क्योंकि घी में दूध के ठोस पदार्थ और प्रोटीन होता है। यह मक्खन की तुलना में आसानी से पचता है।

अधिक ऊर्जा: वैसे भी कॉफी ऊर्जा बढ़ाती है और फोकस (ध्यान) में मदद मिलती है। घी के कारण इसकी ऊर्जा बढ़ाने वाले गुण दोगुना हो जाते हैं। कॉफी में कैफीन होता है, जो ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने के लिए जिम्मेदार है।

ऐसे बनती है घी कॉफी

घी कॉफी बनाना बहुत आसान है। आप जिस भी ब्रांड की और जैसे भी (लाइट या डार्क) कॉफी पीते हैं, उसमें एक या दो चम्मच शुद्ध घी मिलाएं। घी की यह मात्रा कॉफी की मात्रा पर निर्भर करती है। स्वस्थ आहार के साथ इसे पिएं।

एक चम्मच घी में क्या-क्या होता है

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एग्रिकल्चर (यूएसडीए) के अनुसार एक चम्मच घी में निम्न न्यूट्रिशन होते हैं।

कैलोरी: 150
वसा: 17 ग्राम
संतृप्त वसा: 10 ग्राम
असंतृप्त वसा: 7 ग्राम
कार्बोहाइड्रेट: 0 ग्राम
सोडियम: 90 मिलीग्राम
चीनी: 0 ग्राम
फाइबर: 0 ग्राम
प्रोटीन: 0 ग्राम
कोलेस्ट्रॉल: 25 मिलीग्राम

डायटिशियन और न्यूट्रिशन एक्सपर्ट कारा हर्बस्ट्रीन ने अपने एक लेख में लिखा है कि घी में अन्य खाद्य पदार्थों की तुलना में संतृप्त वसा अधिक होती है। इसलिए सुबह घी कॉफी का सेवन दिनभर की एनर्जी के लिए अच्छा होता है। इसके बाद यदि आप सुबह का नाश्ता नहीं ले पाते हैं तो भी एनर्जी बनी रहेगी। बटर की तुलना में घी सेहतमंद होता है। ध्यान रखने वाली बात यह है कि घी में कैलोरी ज्यादा होती हैं। सेवन करते समय इस लिहाज से भी ध्यान रखा जाना जरूरी है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-5-6-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)
सलाहकार संपादक:
रिजवान सैफ खान
सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,
सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक राकेश द्विवेदी
उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3956

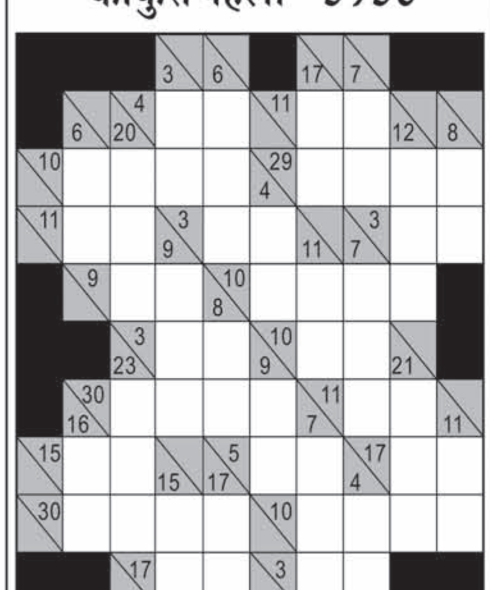

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

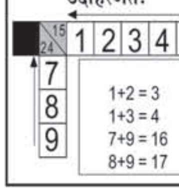

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3955 का हल

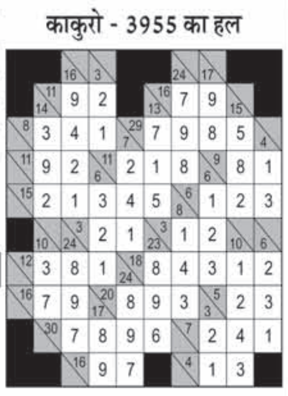

लॉफिंग जौक्स

एक प्रेमी ने सोचा कि प्रेमिका से विवाह का प्रस्ताव नए अंदाज में किया जाए।

एक दिन प्रेमिका से मुलाकात होने पर उसने कहा- प्रिये! मैं स्वयं को तुम्हें भेंट करना चाहता हूँ।

प्रेमिका ने बुरा सा मुँह बनाकर कहा- मुझे घटिया तोहफे लेने की आदत नहीं हैं।

□ □ □

वकील ने खूबसूरत युवती से पूछा- परसों रात तुम कहाँ थी?

युवती- अपने पड़ोसी के साथ रेस्त्राँ गई थी।

वकील ने दूसरा सवाल पूछा- और कल रात?

युवती- मेरे एक दूसरे पड़ोसी के साथ।

वकील ने धीरे से पूछा- और आज का तुम्हारा क्या कार्यक्रम है?

दूसरा वकील चिल्लाया- ऑब्जेक्शन मी लॉर्ड! यह सवाल मैंने पहले ही कर लिया है।

□ □ □

पति, पत्नी से- कल रात मैंने एक बहुत बुरा सपना देखा। मैंने देखा कि मैं सुंदर लड़कियों के झुँड में मौजूद हूँ।

पत्नी- तो यह सपना बुरा कैसे हुआ?

पति बोला- क्योंकि सपने में मैं खुद भी तो एक लड़की ही था।

फिल्म वर्ग पहेली- 3956

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, राखी, की 'एक रास्ता है' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली फिल्म-३
६. सनी देओल, रवीना की 'दिल ना किसी का जाये' गीत वाली फिल्म-३
७. 'मैं तुझसे मिलने आई मंदिर जाने के बहाने' गीत वाली की फिल्म-२
९. संजयदत्त, पूजा की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राज बब्बर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की' गात वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'जिंदगी के खेल में' गात वाली अनिल कपूर, माधुरी की फिल्म-२
२०. फिल्म 'डकैत' में मीनाक्षी के साथ नायक कौन था?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी?-२
२३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. जीतेंद्र, जया की 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी, जया की फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीव, राखी की एक फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बारती' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनीलदत्त, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. 'सुंदरा सुंदरा' गात वाली फिल्म-३
४. फिल्म जिसमें शाहरूख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
५. 'राहों में उड़ती जाए बिछड़े' गीत वाली फिल्म-२
८. 'जीवनमृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका?-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है?-२
१२. 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शोला और शबनम' में गोविंदा की नायिका कौन थी?-२
१७. 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२० 'आंखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२
२६. लकी अली, गौरी की एक फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
३०. विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली-3955

सूडोकु -3956

2	9		3	1			8	
3	6		2		7		9	
		7			6		2	1
	7		1					
1	3			4			7	2
					5		4	
6	2		4			9		
	5		6		9		1	8
	1			5	3		6	4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3955 का हल

3	9	7	5	1	4	6	8	2
1	2	8	6	9	3	4	5	7
6	4	5	2	8	7	1	3	9
5	7	3	4	6	9	2	1	8
2	1	9	7	5	8	3	4	6
4	8	6	3	2	1	7	9	5
9	3	2	8	4	6	5	7	1
7	6	1	9	3	5	8	2	4
8	5	4	1	7	2	9	6	3

शब्द पहेली -3956

बाएँ से दाएँ

1.राजा का पुत्र-5
4.मन को हरने वाला-4
7.काल,समय,पीरियड-2
8.खोदना-3
9.मोटा आटा-2
10.पशु,मवेशी-4
11.जलापूर्ति का साधन-2
13.पुत्र,बेटा-3
14.क्षार,खारा-2
15.दर,मूल्य-3
17.नौका-2
19.नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22.लालन-पालन-5
25.अच्छा,भला-2
26.पूर्ण करना-3
28.गोष्ठी,सम्मेलन-2
29.हुनरमंद-3
30.पिता का भाई -2
32.कुरुपता-4
34.इसाई साध्वी -2
36.टेंशन,परेशानी-3
37.खुजली -2
38.अशक्त,निर्बल-4
39.नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे

1.झगड़ा, बैर,द्वेष-2
2.सद्पुरुष,अच्छे कुल का-3
3.सार-संभाल-2,3
4.विचार करना-3
5.प्रत्येक-2
6.परंपरा,धर्मविधी-4
7.आवास, गरीबखाना-5
10.संपत्ति-4
12.भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16.भालू-बंदर नचाने वाला-3
17.मां की मां-2
18.भय,खौफ-2
20.वेग,गति-3
21.मुंह,चेहरा-2
22.पैर,ओहदा-2
23.वर्धनशील,बढ़नेवाला-4
24.शकरगंजी,कंद-5
25.सभागार,सभाकक्ष-5
26.भयंकर,खतरनाक-4
27.मोड़-2
31.कायर,डरपोक-3
33.तीन घंटे का समय,प्रहर-3
35.भीगा हुआ-2
37.नौकरानी-2

शब्द पहेली -3955 का हल

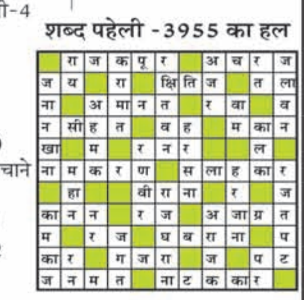

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी